TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday · tnftoday
www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition

आखिर कब बदलेगा आम आदमी का सिस्टम? (पेज-3)

पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-6 | मूल्य ₹7 | शुक्रवार | दिनांक- 3.07.2026

आगरा की सभी नौ विधानसभाओं में बनेंगे आधुनिक 'उत्सव भवन'

महंगे मैरिज होम से मिलेगी निजात, आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे भवन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और आम जनता की सुविधा के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब जिले की सभी नौ विधानसभाओं में भव्य और आधुनिक सुविधाओं से लैस 'उत्सव भवन' बनाए जाएंगे। पंचायती राज विभाग ने इसके लिए ग्राम पंचायतों का चयन शुरू कर दिया है और शासन स्तर से बजट भी जारी होने लगा है। यह पहल ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है।

महंगे मैरिज होम से मिलेगी निजात, आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे भवन

ग्रामीण इलाकों में शादी- ब्याह, नामकरण या अन्य सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए अक्सर लोगों को शहरों के महंगे निजी मैरिज होम या हॉल की तरफ रुख करना पड़ता है, जो आम आदमी की जेब पर भारी पड़ता है। योगी सरकार की इस योजना से ग्रामीणों को इस समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी। इन नवनिर्मित 'उत्सव भवनों' में एक विशाल हॉल, वैवाहिक रस्मों के लिए एक सुंदर मंडप और मेहमानों के ठहरने के लिए आधुनिक सुविधाओं वाले कमरे बनाए जाएंगे। इससे ग्रामीणों के अनावश्यक खर्चों में भारी कमी आएगी।

चार विधानसभाओं में ग्राम पंचायतें चिन्हित, एक करोड़ का बजट जारी

गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना योगी सरकार का लक्ष्य

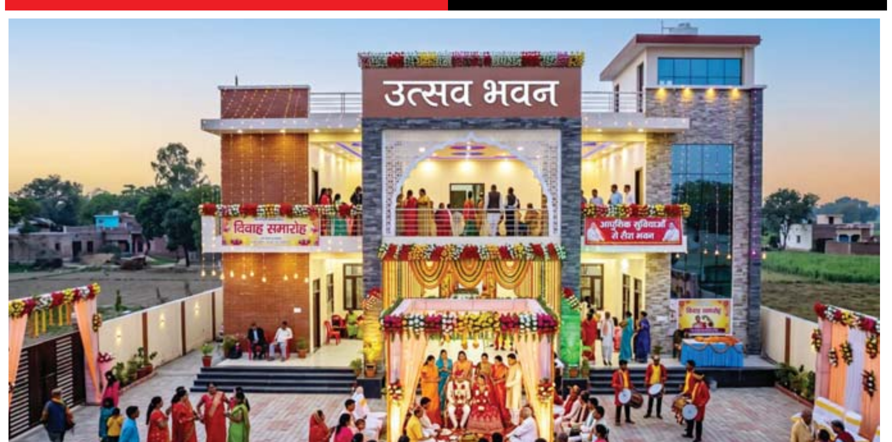

चार विधानसभाओं में जगह चिन्हित, एक करोड़ का बजट जारी

पंचायती राज विभाग द्वारा आगरा जनपद की 9 विधानसभाओं में से फिलहाल चार के लिए ग्राम पंचायतों का चयन कर लिया गया है। इनमें फतेहपुर सीकरी विधानसभा के कराही, फतेहाबाद के भरापुर, बाह के बटेश्वर और आगरा ग्रामीण क्षेत्र के बरौली अहीर को चुना गया है। अन्य विधानसभाओं की ग्राम पंचायतों का जल्द ही चयन कर लिया जाएगा। जिले का पहला उत्सव भवन फतेहपुर सीकरी के कराही में स्वीकृत हो चुका है। शासन ने इसके निर्माण कार्य को गति देने के लिए एक करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी है। जल्द ही अन्य जगहों पर भी कार्य शुरू होगा।

गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं देना योगी सरकार का लक्ष्य

जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) मनीष कुमार ने कहा कि यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदलने वाला साबित होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप पंचायती राज विभाग के बजट में हुई यह वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों का कायाकल्प कर देगी। आगरा के लिए यह बेहद खुशी की बात है कि हर विधानसभा में अब एक सरकारी उत्सव भवन होगा। फतेहपुर सीकरी के कराही में काम शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य है कि गांवों में भी शहरों जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को एक सुव्यवस्थित मंच मिल सके। यह बजट गांव के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। इन उत्सव भवनों के निर्माण से ग्रामीणों के खर्च में कमी तो आएगी ही, साथ ही स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भाईचारे को भी काफी बढ़ावा मिलेगा।

बृजभूषण पर दिल्ली कोर्ट का फैसला सुरक्षित, 3 अगस्त को होगा सजा या रिहाई का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस के केस पर गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने बताया कि इस मामले में दोषी ठहराने या बरी करने का अंतिम आदेश 3 अगस्त 2026 को सुनाया जाएगा। दिल्ली पुलिस ने 15 जून 2023 को बृजभूषण सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत चार्जशीट दाखिल की थी, जिनमें धारा 354, धारा 354अ, धारा 354D और धारा 506(1) शामिल है।

इसके बाद ट्रायल कोर्ट ने 10 मई 2024 को पांच महिला पहलवानों के उत्पीड़न के मामले में सिंह के खिलाफ आरोप तय किए थे। कोर्ट ने माना था कि उनके खिलाफ अदालत ने इस मामले में सह-आरोपी और कुश्ती महासंघ के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर पर भी एक पीड़िता को डराने-धमकाने के आरोप में आपराधिक धमकी (धारा 506) का केस तय किया था। आपको बता दें कि एक नाबालिग पहलवान ने भी बृजभूषण सिंह पर आरोप लगाए थे, लेकिन बाद में उसने अपनी शिकायत वापस ले ली थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस की कैंसलेशन रिपोर्ट के आधार पर पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज उस मामले को बंद कर दिया गया था।

11 साल के बच्चे ने 8 बौद्ध भिक्षुओं को रौंदा, तीर्थयात्रा पर थे सभी

एजेंसी, बैंकाक।

थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी इलाके से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। गुरुवार को एक 11 साल के लड़के ने पिकअप ट्रक चलाते हुए तीर्थयात्रा पर पैदल जा रहे भिक्षुओं के एक समूह को बुरी तरह कुचल दिया। इस भयानक सड़क दुर्घटना में 8 भिक्षुओं की मौत हो गई है, जबकि 14 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि मुकदहन प्रांत के रहने वाले कुल 35 भिक्षु इस धार्मिक यात्रा पर निकले थे।

स्थानीय बचाव दल 'रुआम जाई मुकदहन रेस्क्यू एसोसिएशन' द्वारा जारी किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि सभी भिक्षु सड़क के किनारे एक लाइन में शांति से चल रहे थे, तभी अचानक तेज रफ्तार पिकअप ट्रक उन्हें रौंदते हुए निकल जाता है। हादसे का शिकार हुए भिक्षुओं ने पुलिस को बताया कि उन्होंने गाड़ी को सड़क पर लहराते हुए आते देखा था, जिसके बाद वह पूरी तरह अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरी और सीधे उनके ग्रुप से जा टकराई। स्थानीय पुलिस ने बताया कि गाड़ी चला रहे 11 वर्षीय लड़के को फिलहाल हिरासत में ले लिया गया है। चूंकि आरोपी एक बच्चा है, इसलिए बाल सुरक्षा अधिकारियों (चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर्स) के आने के बाद ही उससे कानून के मुताबिक पूछताछ की जाएगी। फिलहाल पुलिस हादसे की असली वजह का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है।

भारत-जापान में रक्षा सह-उत्पादन समझौते पर मुहर

एजेंसी, नई दिल्ली।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची भारत के दौरे पर हैं। गुरुवार को ताकाइची और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक हुई। इसके बाद दोनों नेताओं ने साझा तौर पर मीडिया को संबोधित किया। इसमें दोनों ही नेताओं ने कई बड़े एलान किए। हालांकि, जो एक समझौता इस वक्त चर्चा में है, वह है दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सह-उत्पादन से जुड़ा। दरअसल, पीएम मोदी ने खुद इस समझौते के तहत पहले प्रोजेक्ट की जानकारी दी। पीएम ने कहा कि हम क्षेत्र की शांति, नौपरिवहन की सुरक्षा और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए साझा तौर पर रक्षा तकनीक विकसित करेंगे।

रक्षा सह-उत्पादन समझौता एक ऐसी रणनीतिक साझेदारी है जिसके तहत दो या दो से ज्यादा देश सिर्फ तैयार हथियारों की खरीद-बिक्री करने के बजाय, सैन्य उपकरणों, हथियारों और आधुनिक रक्षा तकनीकों का संयुक्त रूप से विकास और निर्माण करते हैं। भारत और जापान के लिए ऐसे किसी भी समझौते के जबरदस्त फायदे हैं।

तकनीक को साझा तौर पर विकसित करने के मौके

इस समझौते के तहत उन्नत तकनीक वाले देश अपनी विशेषज्ञता दूसरे देश के साथ साझा करते हैं। भारत और जापान के बीच हुआ पहला सह-विकास प्रोजेक्ट यूनिकॉर्न एंटीना मास्ट का है, जिसमें दोनों देश मिलकर उन्नत नौसैनिक तकनीक विकसित करेंगे।

घरेलू रक्षा उद्योग और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा

भारत के परिप्रेक्ष्य में, सह-उत्पादन समझौते मुख्य रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत नीतियों को गति देने के लिए किए जाते हैं। इसके जरिए देश के भीतर ही रक्षा औद्योगिक आधार का विस्तार किया जाता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और तकनीकी क्षमता बढ़ती है।

विदेशी निर्भरता में कमी हासिल करने का मौका

भारत-जापान के लिए इस समझौते का प्रमुख लक्ष्य किसी एक विदेशी आपूर्तिकर्ता, जैसे ऐतिहासिक रूप से भारत की रूस पर निर्भरता और जापान की अमेरिका पर निर्भरता, को कम करना और रणनीतिक आत्मनिर्भरता हासिल करना है।

रक्षा निर्यातक बनने का अवसर

सह-उत्पादन के जरिए भारत और जापान का मकसद न सिर्फ अपनी सेना के लिए हथियारों का निर्माण करना है, बल्कि अपनी क्षमता बढ़ाकर एक प्रमुख वैश्विक रक्षा निर्यातक बनना भी है। इसका एक सफल उदाहरण भारत और रूस द्वारा सह-उत्पादित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे भारत ने दूसरे देशों को निर्यात करना शुरू कर दिया है।

क्या है तकनीक?

- पारंपरिक रूप से युद्धपोतों के डेक पर अलग-अलग जगहों पर कई प्रकार के एंटीना और संचार उपकरण लगे होते हैं। यूनिकॉर्न तकनीक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह इन सभी संचार प्रणालियों और एंटीना को एक ही कॉम्पैक्ट ढांचे में एकीकृत कर देती है। इसे औपचारिक तौर पर नोरा-50 भी कहा जाता है।
- कई एंटीना की जगह सिर्फ एक ढांचा होने से जहाज का रडार क्रॉस-सेक्शन काफी कम हो जाता है। इससे जहाज की स्टील्थ क्षमता यानी दुश्मन के रडार से छिपने की खूबी बहुत बढ़ जाती है, जो इसे आधुनिक युद्ध में एक अहम बढ़त दिलाती है।
- इतना ही नहीं यह प्रणाली बैंडविड्थ के इस्तेमाल को और बेहतर स्तर तक पहुंचा देती है, जिससे जहाजों को एक विस्तृत फ्रीक्वेंसी रेंज पर उच्च गति वाली सुरक्षित संचार व्यवस्था की सुविधा मिलती है।

क्या है इसका फायदा?

यूनिकॉर्न मास्ट रियल टाइम में समुद्री निगरानी में बेहद कारगर है। इसके इस्तेमाल से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्वाड देशों के बीच तालमेल बेहतर होगा और नौसेना समुद्री डकैती, अवैध शिकार और अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों का ज्यादा प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकेगी। यह हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर की भूमिका को और मजबूत करेगा।
इस तकनीक की क्षमता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका इस्तेमाल जापान के उन्नत मोगामी-क्लास फ्रिगेट्स पर नैविगेशन, डेटा जुटाने और स्टेल्थ ऑपरेशन्स के लिए पहले से ही किया जा रहा है। अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक, इस उन्नत प्रणाली के भारतीय संस्करण का निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), जापान की तीन कंपनियां- योकोहामा रबर, एनईसी कॉर्पोरेशन और सम्पा कोग्यो केके के साथ मिलकर किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक, यूनिकॉर्न रेडियो एंटीना का यह सह-विकास प्रोजेक्ट भारत-जापान रक्षा तकनीकी साझेदारी में एक नया अध्याय खोलेगा, जिससे क्षेत्रीय शांति और नियम-आधारित समुद्री सुरक्षा को बल मिलेगा। यह कदम भारत की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल और रक्षा आधुनिकीकरण के लिए भी बेहद जरूरी माना जा रहा है, जो उन्नत जापानी तकनीक को भारतीय नौसेना में शामिल करने के रास्ते खोलेगा।

सीने में लगी थी गोली, सरक कर आ गई थी जांघ के पास

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एसएन मेडिकल कालेज के तत्कालीन प्राचार्य डा. हरि गौतम ने बुलेट एम्बोलिज्म की चमत्कारी डायग्नोज कर न केवल अनुभवी सर्जन्स को चौंका दिया था बल्कि एक मरीज की जिंदगी भी अपाहिज होने से बचा ली थी। सीने में लगी गोली समयांतराल के बाद सरकते-सरकते जांघ के नीचे आ गई थी। इससे पैर में गैंगरीन हो गई थी। पैर काटने की तैयारी थी लेकिन, डा. गौतम की डायग्नोज ने ये स्थिति बचा दी थी।

दरअसल, हुआ कुछ ये था। एसएन मेडिकल कालेज में एक ग्रामीण युवक आया। उसके पैर में गैंगरीन हो गया था। यहां पर काफी दिनों तक उपचार हुआ मगर स्वास्थ्य लाभ नहीं हुआ। उस समय डा. मोहन सिंह, डा. जितेंद्र गोयल जैसे बेहद अनुभवी सर्जन इस केस को देख रहे थे। कोई रास्ता न देख युवक के पैर काटने का निश्चय किया गया। इसी दौरान तत्कालीन प्राचार्य डा. हरि गौतम वार्ड में आ गए। सर्जन्स ने पूरा केस बताया। काफी देर सोचविचार करने के बाद उन्होंने डाक्टरों से मरीज की हिस्ट्री जानने की सलाह दी। अपना अनुमान बताया कि हो सकता है कि शरीर में कभी कहीं गोली लगी हो। दोनों सर्जन्स ने बेमन से उनकी बात पर अमल किया। मरीज से हिस्ट्री पूछी। गोली की बात कहने पर युवक ने बहुत देर याद करने के बाद बताया कि कुछ माह पहले उसके सीने में बंदूक की गोली लगी थी। तब वो साइकिल से कई किलोमीटर का सफर करके घर पहुंचा था। ये जानकारी मिलने पर डा. हरि गौतम ने उसके उस पैर से जांघ तक की स्कैन कराई। जांघ और घुटने के बीच में गोली होने की पुष्टि हो गई। इसके बाद आपरेशन करके वो गोली निकाल दी गई। कुछ दिनों बाद युवक का पैर सही हो गया। इस चमत्कारिक डायग्नोसिस पर डाक्टरों ने जर्नल्स खंगाले। पता चला कि मिलियन में से कभी-कभार ऐसे केस मिले हैं। सर्जन्स डा. हरि गौतम की प्रतिभा के कायल हो गए थे।

-एसएन मेडिकल कालेज में बुलेट एम्बोलिज्म की चमत्कारी डायग्नोज की थी तत्कालीन प्राचार्य डा. हरि गौतम ने

एक मरीज के पैर में हो गया था गैंगरीन, एसएन मेडिकल कालेज में पैर काटने की थी तैयारी

डा. गौतम के कहने पर सर्जन्स ने मरीज से पूछी हिस्ट्री, बताया कि कई वर्ष पहले सीने में मारी गई थी बंदूक की गोली

डायग्नोसिस में पता चला कि ये गोली सरक कर आ गई थी जांघ और घुटने के बीच में, इससे ही फैला था गैंगरीन, बच गया था पैर कटने से

एसएन मेडिकल कालेज के सर्जरी विभाग को दिलाई विश्वस्तरीय पहचान

डा. गौतम अपने कार्यकाल के दौरान एसएन मेडिकल कालेज की बेहतरी के लिए सतत रहे। यहां के सर्जरी विभाग के वर्तमान स्वरूप की रूपरेखा उन्होंने ही लिखी और रची थी। बर्न विभाग, प्लास्टिक सर्जरी, यूरोलॉजी,न्यूरोलॉजी जैसी विशेषज्ञतावाली शाखाओं को उन्होंने नया जीवन दिया था। रेडियो डायग्नोसिस और रेडियो थेरेपी को अलग-अलग कराया। डा राहुल सहाय, डा. आर सी मिश्रा, डा. शेखर बाजपेयी उनकी टीम के प्रमुख सदस्य थे। मेडिकल कालेज के प्रति इतना भरोसा बढ़ गया था कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री लोकपति त्रिपाठी ने अपने पिता और तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कमलापति त्रिपाठी के प्रोस्टेट का ऑपरेशन यहीं कराया था।

उत्तर भारत की पहली हार्ट सर्जरी एसएन में डा. गौतम ने ही की थी

एसएन मेडिकल कालेज में पूर्व मेडिसिन विभागाध्यक्ष और न्युक्लियर मेडिसन में विश्व विख्यात डा. डी के हाजरा बताते हैं कि 1970 के आसपास जब उत्तर भारत में हार्ट सर्जरी कहीं नहीं होती थी, डा. गौतम ने तब एसएन में ये सर्जरी कर एसएन का नाम रोशन किया था। डा. हाजरा बताते हैं कि 1960-61 के दौरान हरि गौतम एसएन मेडिकल कालेज आगरा से ही एमएस कर रहे थे। सेकंड ईयर के छात्र थे। मैं तब एमबीबीएस की थर्ड ईयर में था। गौतम साहब कभी-कभी हम लोगों को गाइडेंस करने आते थे। उनकी प्रतिभा और सिखाने का तरीका देख हमने उन्हें सबसे प्रभावी प्रेरणादायक मान लिया था।

जब इमरजेंसी में रेजीडेंट को मारा थप्पड़

डा. हरि गौतम अगली पीढ़ी को सिखाने में भी तत्पर रहते थे। वरिष्ठ पत्रकार रमेश राय इसका एक रोचक संस्मरण बताते हैं। बकौल रमेश राय, डा. गौतम एक दिन इमरजेंसी पहुंच गए। थर्ड ईयर का एक रेजीडेंट एक हृदय रोगी को हार्ट में इंजेक्शन लगा रहा था। हार्ट में इंजेक्शन लगाना जिंदगी बचाने का अंतिम चिकित्सकीय प्रयास माना जाता है। डा. गौतम ने रेजीडेंट को इंजेक्शन लगाते देख लिया। उन्होंने सिरिंज देखी और तपाक से रेजीडेंट के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। रेजीडेंट हक्का-बक्का। डा. गौतम ने उसे बताया कि तुमने जो इंजेक्शन लगाया है उसकी सिरिंज की लंबाई इतनी नहीं है जो हार्ट को पेनीट्रेट कर सके। दवा तो वहां तक पहुंची ही नहीं। उन्होंने ज्यादा लंबाई की सिरिंज से उसी रेजीडेंट से इंजेक्शन लगवाया। मरीज की हालत में सुधार हुआ। रेजीडेंट ने डा. गौतम के पैर छुए और गलती के लिए माफी मांगी थी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

चंपत राय और अनिल को ट्रस्ट देगा कारण बताओ नोटिस, जवाब के बाद ही होगी कार्रवाई

एजेंसी, अयोध्या।

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की छह जुलाई को प्रस्तावित बैठक पर सभी की निगाहें टिकी हैं। ट्रस्ट सूत्रों के अनुसार, महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा को बैठक में कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी किया जाएगा। दोनों से प्रकरण पर लिखित और मौखिक स्पष्टीकरण मांगा जाएगा तथा उन्हें अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा। इसके बाद ट्रस्ट अपने बायलॉज और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आगे का फैसला करेगा।

ट्रस्ट के सूत्रों का कहना है कि ट्रस्ट के बायलॉज के तहत किसी भी पदाधिकारी के खिलाफ बिना स्पष्टीकरण लिए कार्रवाई नहीं की जा सकती। पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है, फिर संबंधित पदाधिकारी का जवाब सुना और रिकॉर्ड पर लिया जाता है। जवाब पर विचार करने के बाद ही ट्रस्ट अंतिम निर्णय लेता है। यदि बैठक में किसी पदाधिकारी के इस्तीफे को स्वीकार करने अथवा पद से हटाने का प्रस्ताव आता है तो उस पर भी ट्रस्ट के बायलॉज के अनुसार आवश्यक बहुमत से ही फैसला होगा। यानी अंतिम निर्णय प्रक्रिया पूरी होने और ट्रस्टियों की सहमति के बाद ही लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच फरवरी 2020 को संसद में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी। ट्रस्ट को मंदिर निर्माण, प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े सभी निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी गई थी। केंद्र सरकार की ओर से तय नियमों और ट्रस्ट के बायलॉज के अनुसार ही इसकी कार्यप्रणाली संचालित होती है।

राम मंदिर ट्रस्ट के बायलॉज के प्रमुख प्रावधान

- किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय के लिए ट्रस्ट की निर्धारित प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है।
- संबंधित पदाधिकारी को पहले नोटिस देकर उसका पक्ष सुना जाता है।
- ट्रस्ट मंदिर निर्माण, प्रबंधन और दान राशि के उपयोग से जुड़े निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।
- मंदिर के लिए प्राप्त दान का उपयोग केवल ट्रस्ट और मंदिर से जुड़े कार्यों में ही किया जा सकता है।
- सभी आय-व्यय का लेखा-जोखा रखना और नियमित ऑडिट कराना अनिवार्य है।
- ट्रस्ट की अचल संपत्ति का विक्रय नहीं किया जा सकता।
- ट्रस्टियों को वेतन नहीं दिया जाता, केवल आधिकारिक कार्यों पर होने वाला खर्च ट्रस्ट वहन करता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: धीरेंद्र शास्त्री बोले-'पर्ची खोली तो मुझे निपटा देंगे',

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान पात्र से चोरी के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि इस घटना के बाद उनसे लगातार पूछा जा रहा है कि वह इस मुद्दे पर मौन क्यों हैं? अरे जिन्होंने भगवान को नहीं छोड़ा, क्या वे किसी और को छोड़ेंगे?

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, पूरे देश में यह बात चलाई गई कि बागेश्वर बाबा चुप हैं, कुछ नहीं बोल रहे। अब क्या ही बोलें? जिन्होंने भगवान को नहीं छोड़ा, वे हमें क्या खाक छोड़ेंगे। उन्होंने भारत की कानून व्यवस्था पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत का कानून मकड़ी के जाले की तरह है। भारी (बड़े लोग) चीजें निकल जाती हैं और छोटी (सामान्य लोग) फंस जाती हैं। ये इसलिए कहा क्योंकि अब तक किसी बड़े जिम्मेदार पर कानूनी शिकंजा नहीं कसा है।

खान सर-पत्रकार अंजना ओम कश्यप के विवाद को हाईकोर्ट ने मध्यस्थता को भेजा, दोनों को संयम बरतने को कहा

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली हाई कोर्ट ने बिहार के कोचिंग संचालक और यूट्यूबर खान सर उर्फ (फैजल खान) और टीवी पत्रकार अंजना ओम कश्यप के विवाद को मध्यस्थता के लिए भेजा है। अदालत ने महिला पत्रकार के बच्चे पर की गई टिप्पणी हटाने का निर्देश दिया है। अन्य आपत्तिजनक शब्द भी हटाने को कहा गया। कोर्ट ने यह भी कहा कि आलोचना के स्तर का ध्यान रखना आवश्यक है। दोनों पक्षों को संयम बरतना चाहिए।

क्या है विवाद?

याचिका के अनुसार, आंजना ओम कश्यप द्वारा नीट पेपर लीक मामले पर एक डिबेट में ऑनलाइन कोचिंग वाले स्टार टीचर्स की आलोचना करने के बाद खान सर और अन्य यूट्यूब एजुकेटर्स ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया।

इन शब्दों ने पहुंचाई ठेस

आंजना पर बिकाऊ पत्रकार, चाटुकार, दलाली और फेक न्यूज की दुकान जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जो मानहानिकारक है। याचिका में कहा गया है कि इन टिप्पणियों से प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और चैनल की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए गए। याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली हाईकोर्ट से इन वीडियो को यूट्यूब, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) से हटाने का आदेश देने की अपील की।

इस समय ईंधन कीमतों को कम करने का सवाल उचित नहीं है: हरदीप पुरी

एजेंसी, नई दिल्ली।

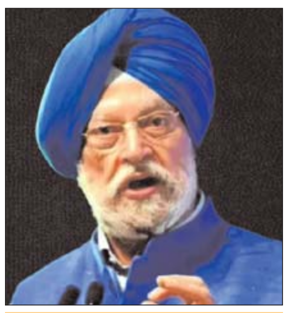

उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि मौजूदा हालात में खुदरा ईंधन कीमतों को कम करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने बताया कि वैश्विक कच्चे तेल बाजारों में बड़े उतार-चढ़ाव के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें काफी हद तक स्थिर रही हैं। पिछले चार वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में केवल 5.58 फीसदी और डीजल की कीमतों में 6.23 फीसदी की वृद्धि हुई है।

मंत्री ने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) अब भी लगभग 2.18 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय घाटे की भरपाई कर रही हैं। इन कंपनियों के पास अब भी उच्च अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों पर खरीदा गया ईंधन भंडार मौजूद है। इससे खुदरा कीमतों में तत्काल कमी करना अव्यावहारिक हो जाता है।

पुरी ने कहा, "इसलिए, इस समय ईंधन कीमतों को कम करने का सवाल उचित नहीं है। अगर दो-तीन महीनों तक कच्चे तेल की कीमतें नरम रहती हैं तो हम इस बारे में सोचेंगे।" उन्होंने सरकार की ओर से वैश्विक ऊर्जा बाजार में व्यवधानों के प्रबंधन के बारे में भी बताया। भारत ने उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों से उत्पन्न अधिकांश अस्थिरता से सफलतापूर्वक बचाया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास हालिया तनाव के दौरान भी देश ने ईंधन की उपलब्धता में कोई व्यवधान नहीं आने दिया। मंत्री ने बताया कि भारत के लगभग 1.07 लाख ईंधन खुदरा बिक्री केंद्रों का नेटवर्क संकट के दौरान सामान्य रूप से संचालित होता रहा।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए क्या योजना है?

सरकार देश की ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बना रही है। भारत की शोधन क्षमता 2030 तक बढ़कर 309.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) होने का अनुमान है। कई रिफाइनरी विस्तार और ग्रीनफील्ड परियोजनाएं वर्तमान में कार्यान्वयन के अधीन हैं। इनमें से कुछ अगले दो वर्षों में पूरी होने की उम्मीद है। इससे देश की ऊर्जा सुरक्षा और शोधन क्षमताएं और बढ़ेंगी।

क्या तेल कंपनियों को नुकसान हुआ है?

हां, तेल विपणन कंपनियों को 30 जून तक पेट्रोल, डीजल और एलपीजी को लागत से कम बेचने के कारण 74,781 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। यह नुकसान पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद हुआ। पुरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें अब कम हो गई हैं। हालांकि, कंपनियां अभी भी उस कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर रही हैं जिसे उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के चरम पर खरीदा था।

दिल्ली-एनसीआर में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राष्ट्रीय राजधानी और एनसीआर में कथित आतंकी गतिविधियों की साजिश को समय रहते विफल करने का दावा किया है। पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े बताए जा रहे एक अंतरराज्यीय आतंकी एवं हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन आरोपी पंजाब से और एक दिल्ली से पकड़ा गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में हिंसक वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे। पंजाब और दिल्ली से चार आरोपी गिरफ्तार स्पेशल सेल ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है उनकी पहचान शुभदीप सिंह, गुरजंट सिंह, साजन सिंह और गगनप्रीत के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी पाकिस्तान में बैठे कथित आईएसआई हैंडलर शाहजाद भट्टी और उसके सहयोगियों के संपर्क में थे। पुलिस का कहना है कि आरोपी अपनी पहचान छिपाने और संपर्क बनाए रखने के लिए विदेशी मोबाइल नंबरों और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर रहे थे।

विदेशी पिस्तौल, कारतूस और मोबाइल फोन बरामद कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो विदेशी निर्मित पिस्तौल, नौ जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और संभावित संपर्कों का पता लगाया जा सके।

यूपीटीईटी : शिक्षक पात्रता परीक्षा में 84.76 फीसदी उपस्थिति, 14 फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए

एजेंसी,प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने बृहस्पतिवार को शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित की। इसमें पंजीकृत 8,07,636 परीक्षार्थियों में से 6,84,614 ने भाग लिया। यह 84.76 फीसदी उपस्थिति रही, जिसमें कुल 14 फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए। महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 84.69 फीसदी और पुरुष परीक्षार्थियों की 84.86 फीसदी दर्ज की गई। शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 प्रदेश के 60 जिलों के 955 केंद्रों पर हुई। पहली पाली सुबह 09:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित की गई। दूसरी पाली दोपहर 02:30 बजे से शाम 05:00 बजे तक चली। आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार, सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक और उप सचिव ने निगरानी की। आयोग में स्थापित एकीकृत नियंत्रण कमांड रूम से केंद्रों की सघन निगरानी की गई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कैमरों से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी गई। परीक्षा प्रदेश के सभी निर्धारित केंद्रों पर सुचारू रूप से संपन्न हुई। एआई कैमरों से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी गई-आयोग में स्थापित एकीकृत नियंत्रण कमांड रूम से परीक्षा केंद्रों की सघन निगरानी की गई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कैमरों से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी गई। परीक्षा पारदर्शी, नकल विहीन और शुचितापूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इसके सफल संचालन में संबंधित जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का सक्रिय सहयोग मिला।

फर्जी परीक्षार्थियों का ये रहा विवरण

परीक्षा के दौरान प्रथम पाली में सात और द्वितीय पाली में आठ फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए। प्रथम पाली में फिरोजाबाद में दो, बदायूं, इटावा, गोंडा, कानपुर नगर और मथुरा में एक-एक परीक्षार्थी पकड़े गए। दूसरी पाली में मथुरा में दो, बदायूं, मुरादाबाद, सहारनपुर, वाराणसी और गोरखपुर में एक-एक परीक्षार्थी पकड़े गए। इन सभी फर्जी परीक्षार्थियों को स्थानीय पुलिस को सोंप दिया गया। प्रयागराज में एक महिला संदिग्धता के आधार पर पकड़ी गई थी, लेकिन सत्यापन में वह निर्दोष पाई गई।

बेंगलुरु: पत्थर खदान में चट्टान गिरी, 7 की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार सुबह पत्थर खदान ढहने से 7 प्रवासी मजूदरों की मौत हो गई। शुरूआत में पुलिस सूत्रों ने जानकारी दी थी कि सभी मृतक बिहार के रहने वाले हैं। लेकिन, बाद में स्पष्ट किया गया कि 5 मजदूर मध्य प्रदेश, एक छत्तीसगढ़ और एक कर्नाटक के यादगीर का रहने वाला था। घटना के दौरान 17 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, साउथ तालुक इलाके में मौजूद कावेरी क्रशर कंपनी की खदान में खनन चल रहा था। इसी दौरान 40 फीट ऊंचाई से चट्टान का बड़ा टुकड़ा मजदूरों पर आ गिरा। हादसे में 5 मजदूर भी घायल हो गए। पांचों खतरे से बाहर हैं। सभी मृतक व घायल दिहाड़ी मजदूर थे और वहां स्टोन क्रशर साइट पर काम कर रहे थे।

यूपी वालों के लिए बड़ी खुशखबरी, बिजली की नई दरें लागू, इस साल भी नहीं बढ़ेगा बिल

एजेंसी, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में इस वर्ष भी बिजली दरें नहीं बढ़ेंगी। लगातार सातवें साल भी बिजली दरें नहीं बढ़ाने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य बन गया है। यहां वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी पहले से निर्धारित दरों पर ही बिजली बिल लिया जाएगा। इस संबंध में विद्युत नियामक आयोग ने घोषणा कर दी है। बिजली कंपनियों की ओर से पावर कार्पोरेशन ने वर्ष 2026-27 के लिए 1,18,742 करोड़ रुपये की वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) दाखिल किया था। नियामक आयोग ने विभिन्न मदों में कटौती करते हुए 1,13,785 करोड़ रुपये निर्धारित किया। कार्पोरेशन ने 16448 करोड़ के अंतर को बताते हुए बिजली दरें बढ़ाने की मांग की। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने तर्क दिया कि बिजली दरें बढ़ाने से पहले उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर सरप्लस करीब 51 हजार करोड़ रुपये लौटाया जाए।

नई विद्युत दरों की घोषणा

इसी तरह नियामक आयोग ने सब्सिडी को अलग रखते हुए 90,805 करोड़ रुपये का अनुमानित राजस्व निर्धारित किया है, जबकि राज्य सरकार की सब्सिडी शामिल करने पर वर्तमान टैरिफ के आधार पर सभी बिजली कंपनियों को 1,11,205 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा।

सीरिया की राजधानी के कैफे में भीषण विस्फोट; नौ की मौत, 20 घायल; जांच में जुटीं सुरक्षा एजेंसियां

एजेंसी, दमिश्क।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में गुरुवार को एक कैफे के अंदर विस्फोट हुआ। सीरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि इस धमाके में नौ लोगों की जान चली गई है। यह विस्फोट शहर के मुख्य अदालत परिसर के पास स्थित एक कैफे में हुआ। सीरिया के सरकारी नेटवर्क अल-इखबारिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में 20 अन्य लोग घायल हुए हैं।

जांच में जुटे सुरक्षा बल: अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। धमाके के तुरंत बाद सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। अधिकारी अब इस हमले की बारीकी से जांच कर रहे हैं। दमिश्क के गवर्नर माहेर इडलीबी ने कहा कि आंतरिक मंत्रालय जल्द ही अपनी शुरूआती जांच के नतीजे सबके सामने रखेगा। गवर्नर ने बताया कि धमाके में इस्तेमाल किया गया उपकरण पुराने ढंग का लग रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि इस अपराध को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें सजा दी जाएगी।

कैफे में मौजूद थे कई वकील

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कई घायल लोग जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं और पुलिस अधिकारी उनकी मदद कर रहे हैं। एम्बुलेंस ने मौके पर पहुंचकर घायलों का इलाज किया और जिनकी हालत ज्यादा गंभीर थी, उन्हें दमिश्क के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि इस कैफे में अक्सर पास की अदालत में काम करने वाले वकील आते थे। पास में ही रेस्टोरेंट चलाने वाले जलाल अलजनानी ने बताया कि धमाके की आवाज सुनकर वह तुरंत कैफे की तरफ भागे। वहां का मंजर देखकर वह दहल गए। उन्होंने बताया कि पुलिस के आने से पहले उन्होंने खुद पीड़ितों को गाड़ियों तक पहुंचाने में मदद की। घायलों के शरीर पर गंभीर चोटें थीं और काफी खून बह रहा था।

क्रिप्टो कारोबार से ट्रंप परिवार ने कमाए 1.4 अरब डॉलर, 2025 में कुल आय 2.2 अरब डॉलर पहुंची

एजेंसी, वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में वापसी के बाद अपने पहले वर्ष के कार्यकाल में क्रिप्टोकरेंसी कारोबार पर खास ध्यान दिया। इस दौरान ट्रंप परिवार ने डिजिटल एसेट्स और संबंधित निवेशों के जरिए भारी कमाई की है। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, वर्ष 2025 में केवल क्रिप्टो कारोबार से ही ट्रंप परिवार को लगभग 1.4 अरब डॉलर (13 हजार करोड़ रुपये से अधिक) की आय हुई। यह आंकड़ा अमेरिकी राजनीति और व्यापारिक हितों के बीच संबंधों को लेकर नई बहस को जन्म दे रहा है।

सरकारी दस्तावेज में सामने आया कुल आय का बड़ा आंकड़ा अमेरिकी ऑफिस ऑफ गवर्नमेंट एथिक्स (डञ्ज्र) द्वारा जारी किए गए दस्तावेज में बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुल घोषित आय वर्ष 2025 में लगभग 2.2 अरब डॉलर रही। इसमें रियल एस्टेट, निवेश और अन्य व्यावसायिक स्रोतों से हुई आय भी शामिल है। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो वर्ष 2024 में ट्रंप के कारोबारों से कुल आय केवल 62.2 करोड़ डॉलर थी, जो इस बार कई गुना बढ़ गई है।

क्रिप्टो सेक्टर से सबसे बड़ी कमाई रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप परिवार की सबसे बड़ी कमाई क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गतिविधियों से हुई। इसमें डिजिटल टोकन बिक्री, निवेश सौदे और नए क्रिप्टो प्लेटफॉर्म से होने वाली आय शामिल है। विशेष रूप से हङ्ग१'ि छ्री१३८ ञ्जह्लल्ल्लू' नामक क्रिप्टो कंपनी में हिस्सेदारी और उससे जुड़े सौदों ने ट्रंप परिवार की कमाई को कई गुना बढ़ा दिया। यूएई निवेश फर्म की बड़ी डील बनी कमाई का कारण दस्तावेजों के अनुसार, वर्ष 2025 में एक बड़ा वित्तीय सौदा तब हुआ जब संयुक्त अरब अमीरात (वअए) से जुड़ी एक निवेश कंपनी ने ट्रंप परिवार की क्रिप्टो फर्म World Liberty Financial' में लगभग आधी हिस्सेदारी खरीद ली। इस डील ने ट्रंप परिवार की संपत्ति और क्रिप्टो पोर्टफोलियो में उल्लेखनीय वृद्धि की। इसके अलावा $TRUMP मीम कॉइन की बिक्री और डिजिटल टोकन मार्केटिंग से भी परिवार को करोड़ों डॉलर की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई।

मीम कॉइन और डिजिटल टोकन से भी मुनाफा रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि ट्रंप से जुड़े मीम कॉइन और अन्य डिजिटल टोकन की बिक्री से भी परिवार ने बड़ी कमाई की। क्रिप्टो बाजार में बढ़ती मांग और निवेशकों की रुचि ने इन डिजिटल संपत्तियों की वैल्यू को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मॉडल राजनीतिक ब्रांडिंग और डिजिटल एसेट्स के संयोजन का एक नया उदाहरण है, जिसने निवेशकों को आकर्षित किया है। व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया अभी नहीं इस पूरे मामले पर व्हाइट हाउस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि पहले भी राष्ट्रपति ट्रंप यह कह चुके हैं कि वह संघीय हितों के टकराव से जुड़े नियमों को लेकर अलग दृष्टिकोण रखते हैं और स्वयं को इन प्रतिबंधों से मुक्त मानते हैं। हितों के टकराव को लेकर उठे सवाल ट्रंप परिवार की क्रिप्टो आय को लेकर अमेरिका में एक बार फिर हितों के टकराव (उङ्कल्ला'ूू३ ङ्क क्ल्ल३ी१ी२३) पर बहस तेज हो गई है। आलोचकों का कहना है कि जब एक ही व्यक्ति राजनीतिक पद पर रहते हुए बड़े पैमाने पर निजी कारोबार से लाभ कमा रहा हो, तो पारदर्शिता और नैतिकता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। वहीं समर्थकों का तर्क है कि सभी आय सार्वजनिक रूप से घोषित की गई है और यह पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत है। क्रिप्टो और राजनीति का बढ़ता मेल विशेषज्ञ मानते हैं कि यह मामला इस बात का संकेत है कि भविष्य में क्रिप्टोकरेंसी और राजनीति का संबंध और गहरा हो सकता है। डिजिटल एसेट्स अब केवल निवेश का साधन नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव का हिस्सा बनते जा रहे हैं। ट्रंप परिवार की यह भारी कमाई न केवल अमेरिका में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी क्रिप्टो बाजार की बढ़ती ताकत को दर्शाती है।

'लोकायन-26' के तहत न्यूयॉर्क रवाना हुआ आईएनएस सुदर्शिनी, भारत की विरासत का देगा संदेश

एजेंसी, वाशिंगटन।

भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुदर्शिनी बुधवार को न्यूयॉर्क के लिए रवाना हो गया। यह वहां सेल-फोर्थ टू-हंड्रेड-फिफ्टी न्यूयॉर्क और सेल बोस्टन कार्यक्रमों में हिस्सा लेगा। इस यात्रा के जरिए भारत समुद्री सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत कर रहा है और अपनी समृद्ध समुद्री विरासत को दुनिया के सामने पेश कर रहा है।भारतीय अर्थव्यवस्था समाचार भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्?स' पर लिखा, "अगला पड़ाव न्यूयॉर्क। समुद्री यात्रा की पुरानी परंपरा और भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को आगे बढ़ाते हुए आईएनएस सुदर्शिनी न्यूयॉर्क के लिए रवाना हो गया है। यह सेल-फोर्थ टू-हंड्रेड-फिफ्टी न्यूयॉर्क और सेल बोस्?टन कार्यक्रमों में हिस्सा लेगा। यह यात्रा देशों के बीच दोस्ती, सहयोग, सद्भावना और आपसी भरोसे के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दिखाती है।" इससे पहले आईएनएस सुदर्शिनी ने बाल्टीमोर बंदरगाह पर अपने ठहराव के दौरान कई अहम कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर अरुणा मिलर जहाज पर आए। जहाज के चालक दल ने बाल्टीमोर सिटी परेड में भी हिस्सा लिया। भारतीय नौसेना ने 'एक्स' पर लिखा, "अटलांटिक के पार समुद्री रिश्तों को मजबूत करते हुए। बाल्टीमोर में अपने प्रवास के दौरान भारतीय नौसेना के टॉल शिप आईएनएस सुदर्शिनी ने कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया।''

लालबत्ती और पद का आकर्षण बहुत बेवफा होता है: प्रो. बघेल

केंद्रीय मंत्री ने विद्यार्थियों से कठिन परिश्रम और शिक्षा के माध्यम से जीवन को सफल बनाने का किया आह्वान

- अभिभावकों से कहा, बच्चों की शिक्षा के लिए खुद को समर्पित कर दीजिए
- नवीन शैक्षणिक सत्र की पाठ्य पुस्तकें, स्कूल बैग और स्टेशनरी का वितरण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। केंद्रीय मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से शिक्षा के महत्व पर प्रेरणादायक बातें कीं। कहा कि शिक्षा वह चाबी है, जिससे जंग लगे हुए ताले भी खुल जाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कठिन परिश्रम और शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को सफल बनाने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री बुधवार को खंदारी स्थित राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम में स्कूल चलो अभियान (द्वितीय चरण-01 जुलाई से 15 जुलाई) और प्रवेश उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च पदों तक पहुँचने वाले लोग भी कभी साधारण विद्यार्थी थे। उन्होंने सार्वजनिक जीवन की वास्तविकताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पद और प्रतिष्ठा स्थायी नहीं होते। कहा, ₹यह लालबत्ती और पद का आकर्षण बहुत बेवफा होता है। इसलिए कभी पद के पीछे मत भागिए। बल्कि ज्ञान, चरित्र और सेवा के पीछे चलिए। पद स्वयं आपके पास आएगा।₹ उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि दुनिया में अधिकांश कार्य यदि व्यक्ति अपनी हैसियत से बढ़कर करता है तो उसे नुकसान उठाना पड़ता है, लेकिन एक ऐसा कार्य है जिसे अपनी क्षमता से बढ़कर भी करना चाहिए–वह है अपने बच्चों की शिक्षा। उन्होंने कहा, ₹अपने बच्चों के भविष्य के लिए स्वयं को समर्पित कर दीजिए। इस अवसर पर.विधायक जीएस धर्मेश ने शिक्षकों का आह्वान किया कि वो स्कूल में आने वाले बच्चों को अपने बच्चों की तरह व्यवहार करें उन्हें अच्छी शिक्षा, संस्कार दें। विधायक डॉ धर्मपाल सिंह ने कहा कि अपने बच्चों को रोजाना स्कूल भेजें। विधायक भगवान सिंह कुशवाह ने उपस्थित शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप राष्ट्र निमार्ता हैं। आपके हाथों में देश का भविष्य है। स्कूल को इतना सुंदर पठन पाठन योग्य बनाएं कि बच्चा खुद खिंचा चला आए। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ मंजू भदौरिया ने कहा कि हम सभी संकल्प लें कि एक भी बच्चा स्कूल से वंचित न रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने कहा कि आज योगी की सरकार ने स्कूलों को ठीक करने की मंशा से काम किया फर्नीचर, भवन, शौचालय सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। सभी शिक्षक पूर्ण मनोयोग से शिक्षा प्रदान करें। विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार सिंह पीडी डीआरडीए रेनू कुमारी आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे न्याय: जिलाजज

इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रमाण-पत्र वितरित किए

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आगरा के तत्वावधान में गुरुवार को आगरा कॉलेज, आगरा के सेमिनार हॉल में विधि इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय कुमार मलिक, जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने की। उन्होंने कहा कि विधिक शिक्षा का उद्देश्य केवल कानून का ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से न्याय, सेवा और संवेदनशीलता के मूल्यों को अपने जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शारिब अली एवं सचिव पूर्णकालिक पंकज कुमार ने विद्यार्थियों को विधिक सेवा प्राधिकरण की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप से प्राप्त व्यावहारिक अनुभव विद्यार्थियों के विधिक जीवन की सुदृढ़ नींव बनेगा। कोऑर्डिनेटर डॉ.अरुण कुमार दीक्षित ने इंटर्नशिप कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि न्यायालयों एवं विधिक संस्थाओं से प्राप्त अनुभव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और व्यावसायिक दक्षता को नई दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर डॉ. मदन मोहन शर्मा, अध्यक्ष, श्री बांके बिहारी एजुकेशनल सोसायटी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं आगरा कॉलेज का आभार किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, विधिक जागरूकता और राष्ट्र सेवा की भावना को सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर प्रो. डॉ. अरुण कुमार दीक्षित (कोऑर्डिनेटर), डी. सी. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, आगरा कॉलेज, शशिकांत पांडे, प्रमिला शर्मा, विधि संकाय के शिक्षकगण, अधिवक्तागण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। समारोह के दौरान विधि इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ।

यूपीटैट: ऊंची जा सकती है कटऑफ

आसान आए प्रश्नपत्र के सवाल पर बोले अभ्यर्थी आगरा में 26 केंद्रों पर आयोजित की जा रही परीक्षा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) गुरुवार से शुरू हो गई। पहले दिन सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक पहली पाली की परीक्षा जिले के 26 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पहली पाली के बाद दोपहर 2:30 बजे से दूसरी पाली की परीक्षा शुरू हुई। 3 दिन तक चलने वाली परीक्षा में जिले के 50,512 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

परीक्षा देकर बाहर निकले अधिकांश अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को आसान से मध्यम स्तर का बताया। कई अभ्यर्थियों का कहना था कि पेपर उम्मीद से आसान रहा। इसलिए इस बार कटऑफ ऊंची जा सकती है। वहीं, कुछ परीक्षार्थियों ने गणित के सवाल अपेक्षाकृत कठिन बताए। पहली पाली की परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को आसान से मध्यम स्तर का बताया। कई अभ्यर्थियों का कहना था कि पेपर उम्मीद से आसान रहा, इसलिए इस बार कटऑफ बढ़ सकती है। हालांकि कुछ परीक्षार्थियों ने गणित के प्रश्नों को अपेक्षाकृत कठिन बताया।

फिरोजाबाद से परीक्षा देने आई दर्शिका ने बताया कि पेपर मॉडरेट था। उन्होंने कहा कि वह विज्ञान वर्ग की छात्रा हैं, इसलिए अधिकांश प्रश्न सहज लगे, लेकिन गणित का भाग थोड़ा कठिन रहा। वहीं जयपुर से आई सुनीता ने कहा- प्रश्नपत्र न तो बहुत आसान था और न ही बहुत कठिन। जिसने अच्छी तैयारी की होगी, उसका चयन हो जाएगा।

पहले दिन दोनों पालियों में 9,178-9,178 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। 4 जुलाई को पहली पाली में 9,179 और दूसरी पाली में 11,488 अभ्यर्थी शामिल होंगे। वहीं 5 जुलाई को पहली पाली में 11,489 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

परीक्षा केंद्र पर दिखी अव्यवस्थाएं

परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों को गर्मी में जमीन पर बैठकर इंतजार करना पड़ा। अभ्यर्थी बोले– पहली बार बदला गया परीक्षा शहर। दूसरी पाली की परीक्षा से पहले केंद्रों के बाहर इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों ने इस बार लागू की गई नई व्यवस्था पर भी प्रतिक्रिया दी। मथुरा से आई सुरभि ने बताया कि परीक्षा की सुरक्षा को देखते हुए सरकार ने इस बार अभ्यर्थियों के परीक्षा शहर बदल दिए हैं। मथुरा, जयपुर समेत कई जिलों के अभ्यर्थियों को परीक्षा देने आगरा आना पड़ा। उन्होंने कहा कि इससे अभ्यर्थियों को परेशानी हुई है, क्योंकि इससे पहले टीईटी परीक्षा में ऐसी व्यवस्था नहीं थी। सुरभि ने यह भी कहा कि जो अभ्यर्थी पहले से नौकरी कर रहे हैं, उनके लिए भी अब यह परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। ऐसे अभ्यर्थियों को भी परीक्षा देने के लिए दूसरे जिले आना पड़ रहा है।

सुरक्षा के लिए मजिस्ट्रेट तैनात

एडीएम सिटी यमुनाधर चौहान ने बताया कि परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए प्रत्येक पाली में 26 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 26 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। इसके अलावा आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 17 स्टेटिक मजिस्ट्रेट रिजर्व में रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अभ्यर्थियों को सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। परीक्षा से पहले जिलाधिकारी कार्यालय सभागार में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों और संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया था।

फोन पर दी जान से मारने की धमकी

ऑडियो रिकॉर्डिंग पर मामला दर्ज

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शमशाबाद। थाना क्षेत्र के गांव धमैना शेखूपुर में फोन कॉल को लेकर दबंगई का मामला सामने आया है। यहां एक युवक को गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने ऑडियो सबूत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धमैना शेखूपुर निवासी अजय पाल पुत्र महिपाल सिंह ने थाने में तहरीर दी। आरोप है कि मंगलवार सुबह करीब 11 बजे सोमवीर पुत्र दिनेश और उसके साथियों ने अजय को फोन किया। फोन पर पहले अभद्र गालियां दी गईं। जब अजय ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित अजय पाल ने पूरी फोन कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर पुलिस को सौंप दिया है। इसी आधार पर शमशाबाद पुलिस ने नामजद आरोपी सोमवीर व अन्य के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी सुरेंद्र राव ने बताया कि तहरीर और ऑडियो साक्ष्य के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। आरोपियों की फोन कॉल का सीडीआर भी निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

नि:शुल्क कोचिंग पढ़ होमगार्ड की परीक्षा पास

सुधीर गुड्डू सक्षम युवा अभियान की बड़ी उपलब्धि

टीएनएफ टुडे, आगरा।

खेरागढ़। प्रतिभा को सही मार्गदर्शन मिले तो सफलता निश्चित होती है। इसका सजीव उदाहरण 'सुधीर गुड्डू सक्षम युवा अभियान' ने प्रस्तुत किया है। अभियान के तहत 25 फरवरी से 25 अप्रैल तक संचालित निःशुल्क कोचिंग से तैयारी करने वाले पांच अभ्यर्थियों ने होमगार्ड की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। सफल अभ्यर्थियों में स्नेहा सोनकर (पुत्री उदय शंकर, निवासी खेरागढ़), मोनू गुर्जर (पुत्र राम खिलाड़ी, निवासी रसूलपुर), अंकित पुनियां (पुत्र देवेंद्र सिंह, निवासी भैंसोन), मोहित तोमर (पुत्र निरंजन सिंह, निवासी सौन, चीत) तथा हर्ष कुमार उपाध्याय (पुत्र गोपाल प्रसाद उपाध्याय, निवासी सौन, चीत) शामिल हैं। परिणाम घोषित होने के बाद अभियान के आयोजक एवं चेयरमैन सुधीर गर्ग 'गुड्डू' ने सभी सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया, मिष्ठान खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने आगामी शारीरिक परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कहा कि युवा अभियान की शुरूआत केवल कोचिंग चलाने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण अंचल के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने के संकल्प के साथ की गई थी। आज हमारे पांच विद्यार्थियों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही दिशा, समर्पित मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत मिले तो संसाधनों की कमी कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनती। सभी अभ्यर्थी शारीरिक परीक्षा भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर अंतिम चयन हासिल करेंगे।

प्रेरक है शिक्षा एवं क्रांति के लिए अक्षर पुरुष का अग्निपथ

जयंती के शताब्दी समारोह में संस्थापक प्राचार्य बीएल तिवारी की स्मारिका वितरण

- आशुतोष नेहरू को मिला बीएल तिवारी अवार्ड
- अगले वर्ष से प्रति वर्ष होगा सहित्यिक सप्ताह

टीएनएफ टुडे, आगरा।

बाह। भदावर पीजी कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य बीएल तिवारी के जयंती समारोह में बुधवार को उनकी शिक्षा एवं क्रांति से जुड़ी हुई यादें ताजा हो गई। इस समय बन बारी लाल तिवारी प्रगति शील शिक्षा प्रसार समिति के महासचिव शंकर देव तिवारी ने घोषणा की अगले वर्ष से यानी पुण्य तिथि पर साहित्यिक सप्ताह विनोद सांवरिया के निर्देशन में आयोजित हुआ करेंगे। इस समय वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा कर कहा कि भदावर क्षेत्र में शिक्षा एवं क्रांति के लिए चंबल के बीहड़ के अग्निपथ पर चले अक्षर पुरुष बीएल तिवारी का संपूर्ण जीवन एक प्रेरक दस्तावेज है। शैक्षिक क्रांति के लिए ब्रिटिश हुकूमत का दमन चक्र झेला, जेल गये, झुके नहीं, डरे न रुके।

समारोह में उनके जीवन के अनछुए पहलुओं को समेटे अक्षर पुरुष स्मारिका का वितरण किया गया। बेटे शंकर देव तिवारी एवं भदावर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने उनसे जुड़े प्रेरक प्रसंग साझा किए। कहा कि वह गरीब तबके के लोगों को पढ़ाई से लेकर रोजगार तक में मदद से पीछे नहीं हटे। आने वाली पीढियों के लिए उनका व्यक्तित्व प्रेरणा का पुंज है। 9 भाषाओं पर नियंत्रण उनके व्यक्तित्व को रेखांकित करने के लिए काफी है।

बीएल तिवारी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करने के बाद भदावर कॉलेज में पढ़ कर राष्ट्रीय स्तर पर वॉलीबाल की चमक बिखेरने वाले आगरा विश्व विद्यालय के कप्तान रहे आशुतोष नेहरू को उनके घर पर जाकर बीएल तिवारी अवार्ड प्रदान किया गया। इस दौरान शंकर देव तिवारी, सुरेश राजपूत, विनोद राजपूत, रामआसरे, श्रीराम, मनोज कुमार, दिलीप कुमार वर्मा, राहुल शर्मा, पंकज अग्निहोत्री, मंसूर अली, मुकेश शर्मा, विशाल चतुर्वेदी, मुकुल तिवारी, प्रीती शर्मा, निधि यादव, रचना चौधरी आदि रहे।

अक्षर पुरुष के नाम से हो शिक्षा नीति

अवार्ड गृहण करने के बाद आशुतोष नेहरू ने कहा कि मुझे उनका नाम मिला आभारी हूँ। वैसे मैं क्या समूचे भदावर क्षेत्र का कोई छात्र हो पुत्र समान होता था। मैं तो उनका ऋणी हूँ जिसे कभी नहीं पटा सकता। उनकी वजह से ही मैं बाह में खेल की फसल होते देखता रहा। जिसकी ही निशानी है विजय सिंह चौहान, अजित भदौरिया जैसे अर्जुन। उन्होंने अक्षर पुरुष की अलग से शिक्षा नीति को सिद्धांत के रूप में स्थापित कराने के लिए बनबारी लाल तिवारी प्रगति शील शिक्षा प्रसार समिति को काम करने के लिए विषय बोध कराया।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

ब्रज क्षेत्र में संतुलन की दरकार

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति और आर्थिकी में आगरा और मथुरा हमेशा से दो मजबूत स्तंभ रहे हैं। लेकिन हाल के वर्षों में विकास के नाम पर इन दोनों ऐतिहासिक नगरों के बीच एक अनकही और अदृश्य स्पर्धा शुरू हो गई है। एक ओर जहाँ मथुरा को 'धर्म और आस्था' के नाम पर अभूतपूर्व बजटीय आवंटन और वैश्विक बुनियादी ढांचा मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर 'ताज नगरी' आगरा विकास और औद्योगिक विस्तार के मोर्चे पर खुद को उपेक्षित और पीछे छूटता हुआ महसूस कर रही है। यह असंतुलन केवल दो शहरों की होड़ नहीं है, बल्कि यह आने वाले समय में इस पूरे क्षेत्र की राजनीति और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने वाला एक गंभीर विषय है।इसमें कोई दो राय नहीं है कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और धार्मिक पर्यटन के दौर में मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन का कायाकल्प होना समय की मांग थी। 'ब्रज तीर्थ विकास परिषद' के माध्यम से जिस तरह कृष्ण सर्किट को संवारा गया है, उसने स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई उड़ान दी है। लेकिन राजनीति जब धर्म के नैरेटिव को विकास के वास्तविक पैमानों से ऊपर रख देती है, तो आगरा जैसे स्थापित औद्योगिक और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्रों का दम घुटने लगता है। आगरा से लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का खिसकना, नए उद्योगों के लिए नीतिगत उदासीनता और नागरिक सुविधाओं का अभाव स्थानीय जनता और व्यापारिक संगठनों में एक गहरी हताशा पैदा कर रहा है। ताज के साए में जीने वाले इस शहर को केवल एक 'सिंगल-टूरिज्म' डेस्टिनेशन मान लेना नीतिगत भूल है।राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो 'धर्म बनाम विकास' की यह स्पर्धा आने वाले चुनावों में एक नया मोड़ ले सकती है। यदि आगरा की जनता में यह संदेश गहरा गया कि केवल 'धार्मिक नैरेटिव' वाले शहरों को ही प्राथमिकता मिलेगी, तो यह क्षेत्रीय असंतोष सत्ताधारी दलों के लिए चुनावी समीकरण बिगाड़ सकता है। राजनीति को यह समझना होगा कि आस्था से भावनाएं तृप्त हो सकती हैं, लेकिन रोजगार, उद्योग और विश्वस्तरीय नागरिक सुविधाएं ही किसी समाज के स्थायी विकास की नींव रखती हैं।समय आ गया है कि शासन और प्रशासन इस क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करे। मथुरा की आस्था का सम्मान करते हुए आगरा के औद्योगिक गौरव को लौटाना होगा। यदि सरकारें इन दोनों शहरों के बीच एक स्वस्थ और संतुलित समन्वय बनाने में नाकाम रहीं, तो यह स्पर्धा विकास की नहीं, बल्कि एक गहरे राजनीतिक और सामाजिक विभाजन की वजह बन जाएगी।

चिंता की बात

कागज दिखाना मौजूदा दौर की सबसे बड़ी त्रासदी!

भाजपा के शासन में कागज की अहमियत इंसान से ज्यादा हो चुकी है। कागज तो दिखाना होगा, मौजूदा दौर का सबसे त्रासद वाक्य है, जिससे लाखों-करोड़ों नागरिक जूझ रहे हैं। खबर आई है कि मंगलवार को हुई केबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिए हैं कि आम लोगों की सुविधा का ख्याल रखा जाए। लेकिन यह कैसा ख्याल रखना है जिसमें कदम-कदम पर आम जनता को यही साबित करना पड़े कि वह इस देश का नागरिक है। राशन कार्ड, आधार, पैन कार्ड, दसवीं का प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट ये सारे कार्ड किसी व्यक्ति के पास होने के बावजूद यह तय नहीं है कि वह भारत का नागरिक है या नहीं। पासपोर्ट पर तो हाल ही में विदेश मंत्रालय का बयान आया ही था कि यह केवल यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, जबकि दूसरे देश जाने पर आपको किस देश का नागरिक माना जाए, यह आपके पासपोर्ट से ही तय होगा। पासपोर्ट पर एक अनावश्यक विवाद मोदी सरकार ने खड़ा किया और हाल ही में उसी से जुड़ा एक अजीबोगरीब प्रकरण सामने आया है। राजनीति कोलकाता से निकलने वाले प्रमुख अंग्रेजी दैनिक द टेलीग्राफ के पूर्व संपादक आर. राजगोपाल का पासपोर्ट नवीनीकृत नहीं हुआ, क्योंकि एसआईआर में उनका नाम लाखों अन्य लोगों की तरह काटा गया है। आर. राजगोपाल ने सोशल मीडिया पर अपने साथ घटे इस त्रासद वाकये को बयां किया है कि मार्च 2026 में कोलकाता के बालीगंज विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया। उनके अनुसार, एसआईआर के दौरान अधिकारियों को न तो उनका और न ही उनके दिवंगत पिता का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में मिला। इसी आधार पर उनका नाम सूची से हटा दिया गया। राजगोपाल ने लिखा कि उनके पिता एक गांधीवादी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर और केरल में गांधी स्मारक निधि के पूर्व राज्य सचिव थे, जिनका 2016 में निधन हो चुका है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने सजग मतदाता रहे उनके पिता का नाम मतदाता सूची में कैसे नहीं मिला। राजगोपाल का कहना है कि पश्चिम बंगाल में लगभग 27 लाख लोगों के नाम तथाकथित 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' के आधार पर मतदाता सूची से हटाए गए। उन्होंने मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र समेत अन्य दस्तावेज जमा किए, लेकिन उन्हें कोई साफ कारण नहीं बताया गया। राजगोपाल समेत हजारों लोगों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित एक ट्रिब्यूनल के सामने लंबित है। इसी वजह से वे हाल में हुए चुनाव में मतदान भी नहीं कर सके। कितनी हैरानी की बात है कि एक प्रतिष्ठित अखबार के संपादक का पासपोर्ट नवीनीकरण अब तक इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि मतदाता सूची में उनका नाम नहीं था और पुलिस ने इसे ही आधार माना। जबकि केंद्र और राज्य सरकारें पत्रकारों व संपादकों को अधिमान्यता भी देती हैं। इसमें भी उनके तमाम दस्तावेज जांचे-परखे जाते हैं।

संतुलित कूटनीति से उभरता भारत का वैश्विक नेतृत्व

> "चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत और ईरान के रणनीतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। यह परियोजना भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करती है तथा पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार के नए अवसर उपलब्ध कराती है। ऐसे समय में जब चीन 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है, चाबहार भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग विकसित किया है।

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित, स्वतंत्र और दूरदर्शी सोच रही है। विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य, महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय संघर्षों और वैश्विक अस्थिरताओं के दौर में भारत ने जिस परिपक्वता और विवेक का परिचय दिया है, उसने उसे विश्व मंच पर एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के निधन के उपरांत उनके अंतिम संस्कार में भारत की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजने का निर्णय भी इसी संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति का परिचायक है। यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, सभ्यतागत एवं रणनीतिक संबंधों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा तथा बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का तेहरान जाना यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल सामरिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के आधार पर भी देखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके, क्योंकि उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम थे, किंतु भारत की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने यह संदेश अवश्य दिया कि भारत अपने मित्र देशों के सुख-दुःख में सहभागी बनने की परंपरा का निर्वाह करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि वह देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक था। साथ ही भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत बनाए रखा। यह संतुलन साधना आसान नहीं था, किंतु भारत ने इसे सफलतापूर्वक निभाया। यही कारण है कि आज भारत को किसी गुट विशेष का सदस्य नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वैशिक शक्ति के रूप में देखा जाता है। भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई, साहित्यिक और व्यापारिक संबंधों का समृद्ध इतिहास रहा है। फारसी भाषा और संस्कृति का भारतीय सभ्यता पर गहरा प्रभाव रहा है। मुगल काल से लेकर आधुनिक युग तक दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान निरंतर चलता रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी ईरान भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भारत लंबे समय तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति ईरान से करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत को कुछ समय के लिए ईरान से तेल आयात रोकना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के संबंधों में कोई स्थायी कटुता नहीं आई।

चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत और ईरान के रणनीतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। यह परियोजना भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करती है तथा पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार के नए अवसर उपलब्ध कराती है। ऐसे समय में जब चीन 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है, चाबहार भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग विकसित किया है। इजरायल के साथ कृषि, रक्षा और नवाचार के क्षेत्र में नई साझेदारियां स्थापित हुई हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भारत के आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। रूस के साथ परंपरागत मित्रता को भी भारत ने मजबूती प्रदान की है। यही नहीं, यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भी भारत ने अपने संबंधों को नई दिशा दी है।

जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस कुशलता और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया, उसने विश्व समुदाय को प्रभावित किया। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज को मुखर किया। अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत की भूमिका ऐतिहासिक रही। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत केवल अपने हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसकी पड़ोसी नीति भी है। भारत ने सदैव 'पड़ोसी प्रथम' की नीति को अपनाया है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन आने के बाद भी भारत ने वहां की जनता को मानवीय सहायता उपलब्ध कराई। भारत ने अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री भेजकर यह संदेश दिया कि उसका संबंध केवल सरकारों से नहीं, बल्कि वहां की जनता से भी है।

कोविड-19 महामारी के दौरान 'वैक्सीन मैत्री' अभियान के माध्यम से भारत ने अनेक देशों को टीके उपलब्ध कराए। श्रीलंका जब आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने उसे खाद्यान्न, ईंधन, दवाइयां और आर्थिक सहायता प्रदान की। नेपाल, भूटान, मालदीव और बांग्लादेश को भी भारत ने समय-समय पर हरसंभव सहयोग दिया है। यही कारण है कि भारत आज क्षेत्रीय स्थिरता और विकास का प्रमुख आधार बनकर उभरा है।

इसके विपरीत, पाकिस्तान लंबे समय से भारत विरोधी दुष्प्रचार और षड्यंत्रों की नीति अपनाता रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनावों तथा हिंसक घटनाओं के लिए भी पाकिस्तान समय-समय पर भारत को दोषी ठहराने का प्रयास करता रहा है। यह उसकी पुरानी रणनीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से वह अपने आंतरिक संकटों और असफलताओं से ध्यान हटाना चाहता है। वास्तविकता यह है कि भारत ने सदैव क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास का समर्थन किया है। भारत ने कभी भी किसी पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की नीति नहीं अपनाई। इसके विपरीत, उसने मानवीय सहायता, विकास परियोजनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। पाकिस्तान के निराधार आरोपों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत को एक जिम्मेदार और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में देखता है। आतंकवाद के विरुद्ध भारत की स्पष्ट नीति और शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता ने उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। यही कारण है कि आज विश्व के अधिकांश देश भारत को स्थिरता, विकास और सहयोग के एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्वीकार कर रहे हैं।

आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति, जनसांख्यिकीय क्षमता और कूटनीतिक सक्रियता ने भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में ला खड़ा किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सक्रिय विदेश यात्राओं और विश्व नेताओं के साथ निरंतर संवाद ने भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुदृढ़ किया है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह शक्ति और संवेदना, दोनों को साथ लेकर चल रहा है। वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए मानवता, सहयोग और वैशिक कल्याण की भावना को भी महत्व देता है। ईरान के साथ संबंधों को संतुलित ढंग से आगे बढ़ाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। आज की जटिल विश्व व्यवस्था में वही राष्ट्र सफल हो सकता है, जो संवाद, संतुलन, सह-अस्तित्व और दूरदर्शिता का परिचय दे। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह न केवल अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि विश्व शांति, स्थिरता और सहयोग का भी एक विश्वसनीय वाहक बन सकता है। निस्संदेह भारत की संतुलित विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए गए कूटनीतिक प्रयास आने वाले वर्षों में भारत को एक सशक्त, प्रभावशाली और नैतिक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

-ललित गर्ग

मंदिर के चढ़ावे से विपक्षी सांसदों तक डाकेजनी!

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा डकैती कांड का ऊंट आखिरकार किस करवट बैठेगा, यह अभी कहना मुश्किल है। इस कांड के सूत्र जिस तरह से खुल रहे हैं और धीरे-धीरे नहीं बल्कि तेजी से प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए इस पूरे मामले की ईमानदारी से तथा गहरी जांच-पड़ताल होने और छोटे-बड़े सभी दोषियों को सजा दिलाए जाने की उम्मीद शायद ही किसी को होगी। आम धारणा तो यही है कि यह कांड इतना बड़ा हो गया है तो, छोटी-छोटी मछलियां जरूर जाल में पकड़ी जाएंगी, लेकिन मगरमच्छों को बचा दिया जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य कर्ताधर्ता माने जाने वाले चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफा देकर खुद को इस कांड से अलग कर लेने और मंदिर ट्रस्ट के 8 छोटे कारकूनों के खिलाफ कथित रूप से ट्रस्ट की शिकायत के आधार पर, जो कि योगी सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद करायी गयी, एफआईआर दर्ज किए जाने और उनके ठिकानों पर छापेमारी, जब्ती आदि और उनकी गिरफ्तारियों से, चढ़ावे में चोरी के शिकार, रामलला को न्याय मिलने की उम्मीदें नहीं बढ़ी हैं।

दूसरी ओर, लूट कांड पर से पर्दा हटना शुरू होने के बाद से, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की सक्रियता ने, सत्ताधारी डबल इंजन सरकार के दो इंजनों के बीच खींच-तान की अटकलों को और बल दे दिया है। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि राम मंदिर के संचालन के तंत्र के विशेष रूप से उच्चतर हलके, जिसमें ट्रस्टी आदि आते हैं, केंद्र वाले इंजन द्वारा चुन-चुनकर वहां बैठाए गए हैं और उनकी वफादारी सबसे बढ़कर प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रति है। चंपत राय तो प्रधानमंत्री मोदी को 'विष्णु का अवतार' घोषित कर, इसकी पुष्टि भी कर चुके हैं। स्वाभाविक रूप से मुख्यमंत्री योगी इस स्थिति को लेकर सहज नहीं हैं, जो उन्हें अपने अधिकार क्षेत्र में अनुचित अतिक्रमण जैसी लगती है। इसीलिए, उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य के अनेक प्रेक्षकों को लगता है कि इस कांड पर से मीडिया के एक हिस्से द्वारा पर्दा उठाए जाने के बाद से, एसआईटी के गठन में तत्परता समेत योगी सरकार की सक्रियता, सिर्फ सत्ताधारी भाजपा के मुख्यमंत्री के नाते डैमेज कंट्रोल करने की उनकी चिंता को ही नहीं दिखाती है। इसके पीछे, केंद्रीय हस्तक्षेप के औजारों का रास्ता मुश्किल बनाने की कोशिश भी है। सरकार

इस धारणा को इस तथ्य से भी बल मिलता है कि बाबरी मस्जिद-रामजन्म भूमि विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से विशाल राम मंदिर बनने का रास्ता साफ होने के बाद से ही, मंदिर के निर्माण से संबंधित निर्णयों पर बार-बार विवाद उठते रहे थे, जिनमें प्रस्तावित मंदिर के आस-पास के इलाकों में जमीनों की खरीद-बिक्री में बेहिसाब कमाई से लेकर, मंदिर निर्माण में कमीशनखोरी तक के आरोप शामिल थे। वृहत मंदिर परियोजना के लिए तिगुने-चौगुने से भी ज्यादा दामों पर जमीनों की खरीद को लेकर मीडिया में काफी शोर भी मचा था और विपक्षी राजनीतिक पार्टियों ने भी इन गड़बड़ियों को उठाया था। इसके बावजूद, योगी सरकार ने इससे पहले कभी इन आरोपों की जांच कराना तो दूर, उनका नोटिस तक लेना जरूरी नहीं समझा था। इसलिए, इस बार के भंडाफोड़ के बाद योगी सरकार द्वारा दिखाई गयी सक्रियता को बहुत से लोग, केंद्र तथा योगी और खासतौर पर अमित शाह और योगी के बीच, योगी के वर्तमान कार्यकाल के बड़े हिस्से में और खासतौर 2024 के आम चुनाव के बाद से, बिना ज्यादा पर्दे के चलते आए, शह-मात के खेल में, योगी के अपनी स्थिति मजबूत करने के पैंतरे के रूप में देख रहे हैं। संभवतः इसीलिए, इस पूरे घटनाक्रम से जुड़कर, किंतु इसके हाशिए पर उत्तर प्रदेश में जो कुछ हो रहा था, वह भी कम दिलचस्प नहीं है।

-राजेन्द्र शर्मा

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 04 जुलाई 2026 शनिवार आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह कन्या तुला और कुंभ राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। शनिवार का दिन साक्षात न्याय के देवता भगवान शनि देव और संकटमोचन हनुमान जी की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान जी को बूंदी का भोग लगाना और सुंदरकांड का पाठ करना जीवन के सभी मानसिक व आर्थिक संकटों को समूल नष्ट करता है और सुख समृद्धि में भारी वृद्धि लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यावसायिक साख में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पकड़ेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी मंदी आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। हनुमान जी के सम्मुख चमेली के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी बड़े और प्रतिष्ठित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। शनि चालीसा का पाठ करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल सांगठनिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। किसी जरूरतमंद को काले तिल का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी बड़े व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर विभूति का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से किसी बड़े नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी कठिन मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। पक्षियों के लिए अनाज की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में काले चने का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। बजरंग बाण का पाठ करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का बड़ा लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखा पढ़ी के कोई बड़ा आर्थिक व्यवहार न करें। महामंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए बड़े व्यावसायिक सहयोगी जुड़ने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। शनि देव को सरसों का तेल अर्पित करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर चक्रव्यूह को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत बड़ी और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। पीपल के वृक्ष के पास घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई बड़ा राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी। हनुमान जी के मंदिर में लाल पुष्प अर्पित करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन घर के दक्षिण पश्चिम कोण यानी नैऋत्य कोण में एक मिट्टी के पात्र में थोड़ा सा सरसों का तेल भरकर उसमें काले तिल डालने से घर का भयंकर राहु केतु दोष और शनि दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात हनुमान जी की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का मानसिक व शारीरिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा बढ़ती रहती है।

100वां स्थापना दिवस: शताब्दी के गौरव से भविष्य की उड़ान तक

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने भव्यता एवं गरिमा के साथ मनाया स्थापना उत्सव

● टीएनएफ टुडे

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने बुधवार को अपने गौरवशाली 100वें स्थापना दिवस (शताब्दी स्थापना दिवस) को स्वामी विवेकानंद परिसर (खंदारी कैंपस) स्थित जयप्रकाश नारायण सभागार में अत्यंत भव्य, गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया। पूरे समारोह में विश्वविद्यालय की शताब्दी गौरवगाथा, समृद्ध शैक्षणिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं भविष्य के विकास विज़न का प्रेरणादायी संगम देखने को मिला।

कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात वंदे मातरम्ए विश्वविद्यालय कुलगीत एवं विशेष रूप से तैयार किए गए। शताब्दी गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे सभागार को राष्ट्रभक्ति एवं विश्वविद्यालय गौरव की भावना से ओतप्रोत कर दिया। मंच पर कुलपति आशु रानी, कुलसचिव अजय कुमार मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. भूपेंद्र स्वरूप शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश तथा वित्त अधिकारी सुदर्शन सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. नीलू सिन्हा ने प्रस्तुत की। ललित कला संस्थान के शिक्षक डॉ. देवाशीष गांगुली एवं विद्यार्थियों ने स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया। जबकि मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना पर आधारित मनोहारी सामूहिक नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. भूपेंद्र स्वरूप शर्मा ने विश्वविद्यालय की सौ वर्षों की गौरवशाली यात्रा, उसकी शैक्षणिक उपलब्धियों तथा शताब्दी वर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. मीनाक्षी चौधरी ने अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की 100 वर्षों की गौरवगाथा, ऐतिहासिक विकास यात्रा, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं भावी संभावनाओं पर आधारित विशेष लघु डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। जिसे विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो आगरा की आवाज़ के इंजीनियर तरुण श्रीवास्तव ने समन्वयक प्रो. संजय चौधरी के निर्देशन में तैयार एवं प्रस्तुत किया।

इस डॉक्यूमेंट्री ने विश्वविद्यालय की समृद्ध विरासत, वर्तमान उपलब्धियों और भविष्य के विज़न को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को गौरवान्वित एवं भावविभोर कर दिया।

समारोह में शिक्षकों की ओर से प्रो. प्रदीप श्रीधर, प्रो. अचला गक्खड़ एवं प्रो. मोहम्मद हुसैन ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं भावी विकास योजनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं गैर-शिक्षण कर्मचारियों की ओर से अरविंद गुप्ता एवं राजीव जैन ने विश्वविद्यालय की प्रगति में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। महिला सशक्तिकरण का संदेश देते हुए वरिष्ठ महिला कर्मचारी एवं शोध विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम शर्मा ने भी अपने विचार साझा किए।

विद्यार्थियों की ओर से आईईटी की छात्रा स्वयं शर्मा तथा डीडीयूआईआरडी के छात्र अतुल महौर ने विश्वविद्यालय में प्राप्त शैक्षणिक अवसरों एवं छात्र हितैषी वातावरण के अनुभव साझा किए। विधि विभाग के छात्र सौरव यादव ने बताया कि समारोह में विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। जिनमें ललित कला संस्थान, विधि विभाग, आगरा कॉलेज, आरबीएस कॉलेज सहित विभिन्न संस्थानों की सहभागिता रही। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को अविस्मरणीय बना दिया। ओडिसी, भरतनाट्यम एवं कथक की संयुक्त प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वहीं भारत दृ शांति का संदेशवाहक विषय पर मूक अभिनय की भरपूर सराहना कीं। अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो, आशु रानी ने कहा कि विश्वविद्यालय की शताब्दी केवल अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि भविष्य के संकल्पों का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को शताब्दी स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं। कहा कि विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक एवं नवाचार आधारित शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में ऑनलाइन एवं डिस्टेंस लर्निंग, इंटीग्रेटेड बीएड, एमटेक तथा फुटवियर टेक्नोलॉजी जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। शिक्षा, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

समारोह में डॉ. रत्ना पांडे, डॉ. मोनिका अस्थाना, डॉ. मीनाक्षी चौधरी, जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना, सह जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वेतलाना, डॉ. संदीप शर्मा, इंजीनियर तरुण श्रीवास्तव तथा दीपक कुलश्रेष्ठ मौजूद रहे। समारोह के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कुलसचिव अजय कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ विश्वविद्यालय के शताब्दी स्थापना दिवस समारोह का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

वे चंदा ही नहीं, विधायक और सांसद भी चुराते हैं: राजेंद्र पाल

स्वागत समारोह में पार्टी के नवनियुक्त प्रभारी ने प्रदेश सरकार पर कसा तंज

● टीएनएफ टुडे

आगरा। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी में अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अभी हाल ही में नियुक्त किए गए उत्तर प्रदेश प्रभारी वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम बुधवार सुबह उत्तर प्रदेश के प्रथम दौरे पर निकले। नई दिल्ली से चलकर मथुरा होते हुए आगरा में रहनकलां टोल प्लाजा पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव नम्रता दान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कुशासन है। पुलिस को हत्यारा बना दिया गया है। दलितों के उत्पीड़न, महिलाओं के साथ बलात्कार और उनकी हत्याएं सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में हो रही हैं। राम मंदिर में भक्तों की आस्था से खिलवाड़ करते हुए भावनावश चढ़ाए गई दान तक की चोरी कर ली गई। यह धोखा धर्म के साथ है। उन्होंने कहा कि ये लोग चंदा ही नहीं चुराते, विधायक और सांसद भी चुराते हैं। पूरी की पूरी पार्टी चुरा लेते हैं। कल योगी सरकार ने हमारे नौ साथियों को नजर बंद किया। यह साबित करता है कि योगी जी घबरा गए हैं। अब उन्हें यह लगने लगा है कि उनकी सत्ता जाने वाली है। उन्होंने कहा कि उनका बुलडोजर गरीबों पर चलता है। पुलिस की गोलियाँ भी गरीबों पर चलती हैं। उत्तर प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। हमारे नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में एक बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव नम्रता दान ने कहा कि हम सब यूपी कांग्रेस प्रभारी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। उत्तर प्रदेश में बदलाव की आँधी अब शुरू हो चुकी है। हम सब एक ऐसे उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए संकल्पित हैं, जहाँ हर वर्ग को समान अधिकार और समान भागीदारी मिले।

इस दौरान आगरा महानगर अध्यक्ष अमित सिंह दिवाकर, जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार, पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र चिल्लू, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अश्विनी जैन, मनोज बोहरा, उत्तर प्रदेश पीसीसी सदस्य शानू खान, उमेश जोशी, शीनू खान, शैफ खान, संदीप पांडेय आदि कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

जैन मंदिर के विकास को अब मिलेगी नई दिशा

जैन समाज ने किया नई कार्यकारिणी का गठन, धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को गति देने पर दिया जोर

● टीएनएफ टुडे

आगरा। श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, ट्रांस यमुना कॉलोनी की प्रबंध समिति का चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। चुनाव अधिकारी अनन्त कुमार जैन (गोकुलपुरा) एवं सतीश कुमार जैन (कटरा वज़ीर खां) की देखरेख में चुनाव हुआ। चुनाव के बाद नई कार्यकारिणी की घोषणा होते ही मंदिर परिसर में हर्ष का माहौल बन गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का समाजजनों ने पुष्प मालाएं पहनाकर स्वागत किया। नई कार्यकारिणी इस प्रकार रही। संरक्षक चेतन्य स्वरूप जैन, प्रशांत जैन, अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन, (बंटी) उपाध्यक्ष सुबोध कुमार जैन, महामंत्री धर्मेंद्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष राजीव जैन संयुक्त मंत्री, संदीप जैन संगठन मंत्री, मोहित जैन मंदिर मंत्री, कमल जैन प्रचार मंत्री, विप्लव जैन सांस्कृतिक मंत्री, वैभव जैन ऑडिटर, सीए मनीष जैन, कार्यकारी सदस्य घोषित सुधीर जैन, आशीष जैन, दर्पण जैन, अंकित जैन, रितिक जैन, हेमेंद्र जैन, सम्मेद शिखर जैन, राकेश जैन एवं आकाश जैन को कार्यकारी सदस्य निर्वाचित घोषित किया गया। समाज के सहयोग से होगा मंदिर का सर्वांगीण विकास चुनाव संपन्न होने के बाद चुनाव अधिकारी अनन्त कुमार जैन ने

मंदिर समिति एवं सकल जैन समाज का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि नवगठित समिति समाज के सहयोग से मंदिर के विकास, धार्मिक आयोजनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा सामाजिक गतिविधियों को नई दिशा प्रदान करेगी। इस अवसर पर सिद्ध शरण जैन, राजेश जैन, पुष्पेंद्र जैन, चेतन जैन, वीण्केण् जैन, योगेश जैन, कैलाश चंद जैन, दिनेश बाबू जैन, मुकेश चंद जैन, अजय जैन (सन्टी) शेखर जैन सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आगरा के हेमंत ने नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में लहराया परचम

यूपी सीपीनेट-2026 में प्रदेश में 45वीं और श्रेणी में 29वीं रैंक हासिल की

● टीएनएफ टुडे

आगरा। विपरीत परिस्थितियों में भी यदि हौसले बुलंद हों तो सफलता जरूर मिलती है। इसे सच कर दिखाया है आगरा जनपद के शमशाबाद ब्लॉक स्थित फूलपुर गांव निवासी हेमंत प्रजापति ने। उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठित यूपी कॉमन नर्सिंग एंट्रेंस टेस्ट (सीपीनेट)-2026 के घोषित परिणाम में हेमंत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाया है।

इस वर्ष आयोजित सीपीनेट परीक्षा में प्रदेश भर से करीब 1.40 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। सरकारी नर्सिंग कॉलेजों की 1350 सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच हेमंत ने 120 में से 107 अंक प्राप्त किए। शानदार प्रदर्शन के दम पर

उन्होंने ऑल यूपी रैंक 45 और श्रेणी रैंक 29 हासिल कर सरकारी नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश सुनिश्चित किया है। हेमंत की सफलता के पीछे उनके पिता रामरतन प्रजापति की मेहनत और प्रेरणा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सामान्य परिवार से आने वाले हेमंत ने गांव के साधारण माहौल में रहकर पढ़ाई की और अपनी लगन व परिश्रम के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता ने क्षेत्र के युवाओं के लिए नई प्रेरणा प्रस्तुत की है। हेमंत की उपलब्धि पर फूलपुर गांव और शमशाबाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों का कहना है कि उन्होंने साबित कर दिया है कि प्रतिभा बड़े शहरों या महंगे संस्थानों की मोहताज नहीं होती। परिणाम घोषित होने के बाद से ही परिजनों को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। हेमंत अब नर्सिंग के क्षेत्र में सेवाएं देकर अपने परिवार, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने की तैयारी में हैं। उनकी सफलता सीमित संसाधनों में बड़े सपने देखने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है।

समाजवादी पार्टी ने धूमधाम से मनाया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53 व जन्मदिन

खेरागढ़। बुधवार को समाजवादी पार्टी के मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53वाँ जन्मदिन समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता लाला अस्थाना के नेतृत्व में ऊंट गिर चौराहे पर मिष्ठान वितरण कर धूमधाम से मनाया गया उसके उपरांत लाला अस्थाना के गोदाम पर 53 किलो का केक काटा गया जिसका वितरण कस्बे के साथ-साथ आसपास के सैकड़ो लोगों में वितरित किया गया ' इस दौरान शिशुपाल सिंह सिकरवार, राजेश अग्रवाल,अश्वनी शर्मा, राहुल प्रताप सिंह उर्फ रामू, प्रमोद उपाध्याय , हाकिम सिंह कुशवाहा,बिज्जों तोमर, दलेल सिंह सरपंच, रईसुद्दीन खान, सलीम उस्मानी नेता, संजय सिकरवार, सहित सैकड़ो पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे '

कैलाश मंदिर परिसर में व्यक्तिगत मंदिर निर्माण का महंतों ने किया विरोध

● टीएनएफ टुडे

आगरा। प्राचीन श्री कैलाश मंदिर आगरा एक पौराणिक और ऐतिहासिक मंदिर है, जो अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भगवान शंकर का यह मंदिर विश्वविख्यात है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता एक ही जलहरी में स्थापित दो शिवलिंग हैं, जो अन्यत्र कहीं नहीं हैं। सनातनी जनमानस की आस्था का प्रमुख केंद्र कैलाश मंदिर की गरिमा बनाए रखने के लिए महंत परिवार कटिबद्ध है। मंदिर की सेवा का कार्यभार महंत परिवार पर है। एक ही परिवार के सदस्यों को यह सौभाग्य प्राप्त है कि वे बारी-बारी से इसकी सेवा करते हैं। महंत परिवार सैकड़ों वर्षों से अपने इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करता आ रहा है। मंदिर क्षेत्र को आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कॉरिडोर निर्माण की घोषणा की गई है। इसके माध्यम से क्षेत्र के विकास और इसे एक आकर्षक पर्यटन

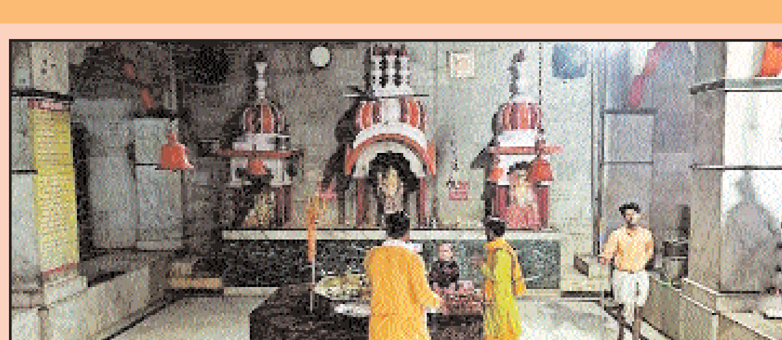

स्थल के रूप में विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। हाईवे पर एक आकर्षक द्वार का निर्माण हो चुका है। मोनी बाबा आश्रम पर घाट, सत्संग भवन एवं अन्य विकास कार्य भी पूरे हो चुके हैं। कॉरिडोर निर्माण की दिशा में काफी कार्य हो चुका है, जबकि कई कार्य अभी शेष हैं। विगत दिनों महंत सेवादार परिवार के एक सदस्य ने मंदिर प्रांगण में व्यक्तिगत रूप से 12 शिवलिंगों की स्थापना की घोषणा की थी। इस संबंध में उन्होंने महंत परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सलाह नहीं ली और भूमि पूजन भी करा दिया। उनके इस कृत्य से अन्य महंतों में रोष व्याप्त हो गया। किसी भी सेवादार महंत को यह अधिकार नहीं है कि वह मंदिर परिसर के भीतर अपना व्यक्तिगत मंदिर बनाए। यह पूरी तरह अव्यावहारिक एवं गैरकानूनी है। इस संबंध में तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिसके बाद अधिकारियों ने निर्माण संबंधी कार्य को तत्काल प्रभाव से रोकने के आदेश दिए। महंतों का कहना है कि यह मामला अत्यंत गंभीर है। यदि आज कोई महंत अपना व्यक्तिगत मंदिर बनाता है तो भविष्य में मंदिर परिसर में निवास कर रहे अन्य महंत भी अपने-अपने पृथक मंदिर बनाने लगेंगे, जिससे प्राचीन श्री कैलाश मंदिर के मूल स्वरूप और ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

प्राचीन श्री कैलाश मंदिर को कैलाश मंदिर ही बने रहना चाहिए। उपस्थित सभी महंतों का यही स्पष्ट मत है। ऐसी स्थिति में महंत परिवार के किसी भी सदस्य को मंदिर परिसर में व्यक्तिगत मंदिर स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यहां उपस्थित सभी महंतों ने एक स्वर में घोषणा की कि किसी भी स्थिति में मंदिर प्रांगण में किसी अधिकृत महंत का व्यक्तिगत मंदिर नहीं बनने दिया जाएगा। यदि महंत परिवार का कोई सदस्य इस दिशा में कदम उठाता है तो अन्य अधिकृत महंत उसका हर स्तर पर पुरजोर विरोध करेंगे। किसी भी सूरत में व्यक्तिगत मंदिर का निर्माण नहीं होने दिया जाएगा।

मंदिर की गरिमा और मूल स्वरूप से समझौता नहीं होगा, सभी महंत एकजुट

पत्रकार वार्ता बुलाने का उद्देश्य भी यही है। पूर्व में व्यक्तिगत मंदिर की स्थापना को लेकर पत्रकारों को जो जानकारी दी गई थी, उससे यह प्रतीत हो रहा था कि यह श्री कैलाश मंदिर के विस्तार का हिस्सा है। इससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई थी। 12 ज्योतिलिंगों की स्थापना को श्री कैलाश मंदिर का हिस्सा बताने का प्रयास किया गया, जबकि वास्तविकता यह नहीं थी। सभी महंतों का मत है कि शासन द्वारा जिस प्रकार कॉरिडोर और सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं, उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए कैलाश तीर्थ क्षेत्र का विकास किया जाना चाहिए ताकि यह एक आकर्षक पर्यटन एवं धार्मिक स्थल के रूप में विकसित हो सके। यदि महंत परिवार का कोई सदस्य अपना व्यक्तिगत मंदिर बनाना चाहता है तो वह मंदिर परिसर से बाहर किसी अन्य भूमि पर उसका निर्माण कर सकता है। इसमें महंत परिवार को कोई आपत्ति नहीं है। यदि कोई सदस्य मंदिर परिसर के भीतर ही किसी नए मंदिर के निर्माण का प्रयास करता है तो उसके लिए सभी महंतों की सहमति आवश्यक होगी। साथ ही वह किसी व्यक्ति विशेष का मंदिर न होकर कैलाश मंदिर का ही एक अंग होना चाहिए। ऐसे निर्माण में सभी का सहयोग रहेगा। प्राचीन श्री कैलाश मंदिर की गरिमा के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने का अधिकार किसी महंत को नहीं है। इस धरोहर को अक्षुण्ण बनाए रखने का अधिकार और कर्तव्य केवल महंत परिवार का ही नहीं, बल्कि मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं का भी है।

हमारा स्पष्ट निवेदन है कि व्यक्तिगत मंदिर निर्माण का विचार त्याग दिया जाए। इसी में सभी का हित है। यदि एक परिवार मंदिर परिसर के भीतर व्यक्तिगत मंदिर बनाएगा तो अन्य महंत भी व्यक्तिगत मंदिर निर्माण के लिए स्वतंत्र हो जाएंगे, जिससे मंदिर की गरिमा पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। शासन की कॉरिडोर योजना के अंतर्गत अभी अनेक कार्य शेष हैं, जिनकी घोषणाएं होना बाकी हैं। मंदिर प्रांगण में अब कोई नया निर्माण न हो, इस संबंध में शासन को भी अवगत कराया जाएगा। पत्रकार वार्ता में महंत सुभाष गिरि, महंत निर्मल गिरि, महंत सतीश गोस्वामी, महंत दिलीप गिरि, महंत सोमेश गिरि, महंत राजकुमार गिरि, महंत केशव गिरि, महंत विजय गिरि, महंत सचिन गोस्वामी, महंत धर्मेंद्र गिरि, महंत भीम गिरि सहित अन्य महंत मौजूद रहे।

न्याय के देवता शनिदेव और यमराज क्यों पहनते हैं काले वस्त्र

क्या आपने कभी सोचा है कि शनि खराब होने पर अक्सर ज्योतिर्विद उस जातक को काले और नीले रंग से परहेज करने के लिए क्यों कहते हैं। काल रंग काला क्यों दिखता है, इस विषय में विज्ञान क्या कहता है। शनिदेव की मूर्तियों पर काला रंग और काले वस्त्र धारण कराने के पीछे क्या कोई खास कारण है।

इस संपूर्ण ब्रह्मांड में मुख्य रूप से दो ही देवता हैं जो काले रंग के वस्त्र धारण करते हैं, दोनों ही सूर्य के पुत्र हैं। एक का नाम शनिदेव है और दूसरे का नाम यमराज है। ईश्वर ने इनको परम न्यायाधीश का कार्यभार सौंपा है। जीवित प्राणियों के संपूर्ण कर्मों का भुगतान शनिदेव करवाते हैं और मृत्यु के बाद कर्मों के भुगतान का कार्यभार यमराज का है। यदि यह दोनों देव काले कपड़े न पहनें और क्रूर न हों तो न्याय होना असंभव हो जाएगा, जैसे जातक ने क्रूरता, निर्दयतापूर्वक कर्म किये हुए होते हैं, वैसे ही उन कर्मों के फलस्वरूप उनका प्रायश्चित करवाते हैं।

न्याय के परम प्रतीक उपरोक्त दोनों देवताओं के अनुरूप यहां पृथ्वी पर समस्त न्यायकर्ता यानी जज और वकील भी काले कपड़े पहनकर ही न्याय करते हैं। यदि यह काले कपड़े न पहनें तो न्याय हो ही नहीं सकता। इसमें एक अन्य भी कारण है कि काले कपड़े पर दूसरा रंग नहीं चढ़ता। जन्मपत्री में शनि अशुभ होने पर काले और नीले रंग से परहेज करने की सलाह ज्योतिर्विद देते हैं। शनि अकारक होने पर काले कपड़ों से परहेज करना आवश्यक है। जिनकी जन्मपत्रियों में शनि योगकारक होकर बलवान होते हैं, वे सफल अधिवक्ता एवं न्यायाधीश बनते हैं। बलवान शनि की डिग्री यानि अंश आदि बल से यह निर्धारित होता है कि शनि कितना बलवान होने पर न्यायाधीश बनाएगा। शनि की प्रबलता के कारण ही अधिवक्ता एवं न्यायाधीश सदियों से काले वस्त्रों का प्रयोग करते आए हैं। जैसा कि हम सब जानते हैं कि सूर्य के प्रकाश में सभी रंग समाहित होते हैं, लाल, नीला, हरा, पीला आदि, कोई वस्तु लाल दिखती है क्योंकि वह लाल रंग की रोशनी को वापस हमारी आँखों तक भेज देती है यानी परावर्तित करती है और बाकी रंगों को सोख लेती है। कोई वस्तु नीली दिखती है क्योंकि वह नीली रोशनी को लौटाती है। लेकिन काला वस्त्र या काली वस्तु सारी रोशनी को सोख लेती है, कोई भी रंग वापस नहीं भेजती। जब हमारी आँखों तक कोई रंग की रोशनी वापस नहीं पहुँचती, तो दिमाग उसे काला मान लेता है।

शनिवार को पीपल की पूजा कैसे करें?

शनिदेव और पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, श्रद्धापूर्वक और विधि-विधान से पीपल वृक्ष की पूजा करने से शनि दोष और साढ़ेसाती के प्रतिकूल प्रभाव कम होते हैं। साथ ही, इससे शनिदेव और पितरों का भी आशीर्वाद मिलता है। जिससे घर में सुख-शांति आती है और फिजूलखर्ची कम होती है।

हिंदू धर्म में पीपल वृक्ष की पूजा का खास महत्व बताया गया है। विशेष तौर पर शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से शनि दोष के प्रतिकूल प्रभाव कम होते हैं। साथ ही, यह साढ़ेसाती और ढैय्या से भी राहत दिलाता है। विधिपूर्वक पीपल वृक्ष की पूजा करने से पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। जिससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है और करियर में तरक्की के रास्ते खुलते हैं। इसके साथ ही पीपल के पेड़ की पूजा करने से आर्थिक तंगी भी कम होती है। शनिवार को पीपल वृक्ष की पूजा में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और पीपल पूजा की विधि।

किस समय करें पीपल के पेड़ की पूजा

ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया के अनुसार, शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने का सबसे उत्तम समय ब्रह्म मुहूर्त यानी सुबह करीब 3 बजकर 30 मिनट से लेकर 5 बजकर 30 मिनट का समय होता है। इस अवधि के दौरान शनिदेव और पीपल के पेड़ की पूजा करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। ऐसा करने से जीवन में आने वाली समस्याएं कम होती हैं और शनि के प्रतिकूल प्रभावों से भी राहत मिलती है।

पीपल की जड़ में कच्चा दूध करें अर्पित

ब्रह्म मुहूर्त के समय उठकर स्नानादि करने के पश्चात साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद, कच्चे व शुद्ध दूध से शनिदेव का अभिषेक करें और पीपल की जड़ में भी दूध जरूर अर्पित करें। जिन जातकों की कुंडली में विष योग बन रहा हो, उन्हें यह काम अवश्य करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से विष योग समाप्त होता है और जीवन में शनि ग्रह की अनुकूलता बनी रहती है।

पितृ दोष के लिए पीपल वृक्ष की ऐसे करें पूजा

अगर आप पितृ दोष का सामना कर रहे हैं तो शनिवार या अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ पर सफेद सूत कम से कम 7 या 11 बार बांधते हुए परिक्रमा करनी चाहिए। साथ ही, पीपल की जड़ में काले तिल भी जरूर अर्पित करें। इस प्रकार पीपल वृक्ष की पूजा करने से पितृ दोष से राहत मिलती है और परिवार के सदस्यों पर पितरों का आशीर्वाद बना रहता है। जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

ऐसे करें पीपल की पूजा

शनिवार के दिन शाम के समय पीपल वृक्ष की पूजा का खास महत्व बताया गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा भक्तों पर बनी रहती है। शनिवार की शाम पीपल वृक्ष के नीचे एक सरसों या तिल के तेल का दीपक अवश्य जलाना चाहिए। हालांकि, इस बात का ख्याल रखें की कभी भी सूर्यास्त के बाद और रात के समय पीपल की पूजा नहीं करनी चाहिए। क्योंकि कहा जाता है की दिन के समय पीपल पर लक्ष्मी माता का वास होता है वहीं, सूर्यास्त के बाद अलक्ष्मी वास करती हैं। ऐसे में रात में पीपल की पूजा करने से घर में आर्थिक तंगी आ सकती है।

साढ़ेसाती में ऐसे करें पीपल वृक्ष की पूजा

अगर आप शनि के प्रतिकूल प्रभाव या साढ़ेसाती का सामना कर रहे हैं तो इसके लिए शनिवार के दिन पीपल वृक्ष की पूजा जरूर करने चाहिए। पेड़ के नीचे एक दीपक जलाने के साथ-साथ वहां लोहे के कटोरे में अपना मुख छाया के रूप में देखकर वहां रख देना चाहिए। ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया के अनुसार ऐसा करने से साढ़ेसाती और शनि दोष के प्रभाव कम होते हैं और जीवन से नकारात्मक ऊर्जा भी दूर होती है।

राम रक्षा कवच का करें पाठ

यदि आप अपने जीवन में किसी बड़ी परेशानी का सामना कर रहे हैं, धन या शत्रु संबंधी कोई समस्या चल रही है तो इसके लिए शनिवार के दिन सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर 'राम रक्षा कवच' का पाठ करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से शत्रु और धन संबंधी बाधाएं कम होने लगती हैं और फिजूलखर्ची भी कम होती है। जिसके प्रभाव से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसके अलावा, धन, आयु और शत्रु बाधा के लिए इन दो मंत्रों में से किसी एक का जप करना भी अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है।

'ओम शं शनैश्चराय नमः' या 'ओम नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्, छायामार्तण्डसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम्।'

शनिवार को न करें ये काम

शनिवार के दिन भूलकर भी पीपल का पेड़ काटना या कटवाना नहीं चाहिए। ऐसा करने से कई प्रकार के दोष लग सकते हैं और जीवन में समस्याएं आ सकती हैं। ऐसे में शनिवार के दिन इस बात का ख्याल जरूर रखें। वहीं, शास्त्रों में रविवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना वर्जित माना जाता है। ऐसा करने से इसके प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है।

चैतन्य महाप्रभु ने बताया संकीर्तन भजन का महत्व

प्रभु के नाम का स्मरण सभी प्रकार से मंगल करने वाला होता है। प्रभु कृपा से जिस घर में नित्य नाम संकीर्तन होता रहता है, वहां अंगल हो ही नहीं सकता। भगवत नाम संकीर्तन स्तोत्र पाठादि से बढ़कर है, कलिकाल में इसके समान कोई पूंजी नहीं है, अतः सदैव जपते रहिए, श्रीराम जयराम, जय-जय राम, जय-जय विघ्न हरण हनुमान।

ईष्वर भक्ति एवं प्रभु नाम सभी प्रकार के अमंगल को हरने वाला है। एक दृष्टान्त के अनुसार श्री चैतन्यमहाप्रभु नित्य रात्रि में एक पंडित जी के यहां नाम-संकीर्तन कराते थे, बहुत से भक्त उसमें सम्मिलित ते थे। पंडित जी का पुत्र कीर्तन में झांझ बजाया करता था और खुब प्रेम से प्रभु नाम स्मरण करता था। एक दिन सायंकाल के समय किसी भयंकर रोग के कारण उनके पुत्र की मृत्यु हो जाती है, यह देखकर पंडित जी की पत्नी की आंखों से आंसू बहने लगते हैं तो पंडित जी कहते हैं कि, 'सावधान! बिल्कुल नहीं रोना, एकदम चित्कार नहीं करना।'

उनकी पत्नी कहती है कि, 'मेरा पुत्र मर गया और आप ऐसा कह रहे हैं।' पंडित जी कहते हैं, 'यदि तुम्हारा पुत्र था तो मेरा भी कुछ था किन्तु यदि तुम रोई तो आसपास में सबको खबर हो जाएगी कि हमारे घर में शोक हुआ है और यदि सब यहां एकत्रित हो गए तो रात्रि में महाप्रभु जी की कीर्तन कराने कहीं अन्यत्र जाना पड़ेगा, उनको असुविधा होगी, तुम इस बालक को ले जाकर भीतर कक्ष में लेटा दो, प्रातः देखेंगे कि क्या करना है।' उनकी पत्नी वैसा ही करती है। रात्रि में महाप्रभुजी पधारे, कीर्तन प्रारम्भ हुआ

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे। हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे।।

तभी महाप्रभुजी पंडित जी से पूछते हैं, 'अरे! तुम्हारा बालक किधर है, आज दिखाई नहीं देता वह।' पंडित जी झूठ नहीं बोल सकते थे और सत्य कह दिया तो महाप्रभु जी को पीड़ा होगी इसलिए वह केवल इतना ही बोले, 'भगवन! होगा यहीं कहीं।' इतने में ही कोई आकर महाप्रभु जी से कहता है कि, 'महाप्रभुजी वह कीर्तन में कहां से आएगा, उसकी तो संध्याकाल में ही मृत्यु हो गई है।' तब चैतन्य महाप्रभु कहते हैं कि, 'यह तो हो ही नहीं सकता, जिसके घर में नित्य स्तोत्र-पाठ, नाम संकीर्तन, ऐसा मंगल कीर्तन होता है वहां ऐसा अंगल हो ही नहीं सकता।' श्रीमहाप्रभु जी गंभीर वाणी में पुकारते हैं, 'अरे! ओ पंडित जी के बालक कहाँ है तू, इधर आ, आज कीर्तन मे झांझ कौन बजाएगा।' इधर महाप्रभुजी का बोलना हुआ, उधर वह बालक कक्ष के भीतर से दौड़ा-दौड़ा बाहर आया और कीर्तन में झांझ बजाने लगा। पंडित जी और उनकी पत्नी के नेत्रों से आंसू बहने लगे, वे महाप्रभु जी को बारंबार प्रणाम करने लगे।

भगवान श्रीराम ने की थी रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग की स्थापना

तमिलनाडु के रामेश्वरम में रामेश्वरम प्रतिष्ठा दिवस मनाया जाता है। यह स्थान हिंदुओं के चार धामों मे से एक है। यहां पर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग स्थापित है जिसकी स्थापना भगवान श्रीराम ने की थी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और महत्व

शिव-राम की अद्भुत एकता: भगवान शिव के इस पावन ज्योतिर्लिंग की प्राण प्रतिष्ठा स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने लंका विजय पर प्रस्थान करने से पूर्व की थी। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि (गंगा दशहरा) को हुए इस पावन अनुष्ठान को ही 'रामेश्वरम प्रतिष्ठा दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो सनातन संस्कृति की महानता का प्रतीक है।

चार धाम और ज्योतिर्लिंग का संगम: तमिलनाडु के तट पर स्थित रामेश्वरम न केवल हिंदुओं के पवित्र 'चार धामों' में से एक है, बल्कि यह देश के '12 ज्योतिर्लिंगों' में भी विशेष स्थान रखता है।

चमत्कारी जल और धार्मिक अनुष्ठान

महा-अभिषेक का पुण्य: प्रतिष्ठा दिवस के दिन यहाँ स्थापित शिवलिंग का गंगाजल और समुद्र के जल से अभिषेक करने का विशेष विधान है। मान्यता है कि इस पावन त्रिवेणी से साधक के समस्त पापों का क्षय होता है और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

समुद्र तट पर प्रथम स्नान (अग्नि तीर्थम): मंदिर के ठीक सामने विशाल समुद्र तट स्थित है। परंपरा के अनुसार, श्रद्धालु यहाँ समुद्र में डुबकी लगाने के बाद ही मंदिर के मुख्य दर्शन और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत करते हैं।

मंदिर के भीतर स्थित दिव्य और औषधीय कुंड

22 पावन तीर्थम: रामनाथस्वामी मंदिर परिसर के भीतर 22 पवित्र कुंड (तीर्थम) स्थित हैं। इन कुंडों का जल औषधीय और दैवीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मुख्य गर्भगृह में दर्शन से पहले श्रद्धालु इन सभी कुंडों के पानी से स्नान करते हैं।

खारे समंदर के बीच मीठे पानी का कुआँ: यहाँ हिंद महासागर के खारे पानी के बीचों-बीच एक चमत्कारी कुआँ स्थित है, जिसका पानी एकदम मीठा और पीने योग्य है। लोक मान्यता है कि इस कुएँ का निर्माण स्वयं भगवान राम ने अपने धनुष के एक तीर से किया था। वर्तमान में इसके संरक्षण की आवश्यकता के बावजूद, यहाँ आने वाले लाखों श्रद्धालु इस पानी को अत्यंत पवित्र मानकर श्रद्धा से पीते हैं और इससे स्नान करते हैं।

पितृ दोष निवारण और मोक्ष स्थली

पूर्वजों की मुक्ति का मार्ग: रामेश्वरम धाम को पितृ दोष की शांति और पूर्वजों की आत्मा की तृप्ति (श्राद्ध व तर्पण) के लिए संपूर्ण भारत में सबसे उत्तम और फलदायी तीर्थ स्थलों में से एक माना गया है।

रामसेतु का गौरवशाली इतिहास

इसी पावन भूमि से भगवान राम ने लंका तक पहुँचने के लिए पत्थरों के भव्य 'रामसेतु' का निर्माण करवाया था, जिसकी सहायता से वानर सेना लंका पहुँची थी। युद्ध समाप्ति के बाद, लंका के नए राजा विभीषण के अनुरोध पर श्रीराम ने 'धनुषकोटि' नामक स्थान पर इस सेतु को अपने धनुष से प्रतीकात्मक रूप से तोड़ दिया था।

फरह पुलिस और एसटीएफ आगरा ने 65 लाख कीमत का गांजा किया बरामद, तस्कर गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जनपद के फरह कस्बे में बुधवार को पुलिस और एसटीएफ आगरा की संयुक्त टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। ऑपरेशन प्रहार के तहत की गई इस छापेमारी में पुलिस ने लगभग 129 किलोग्राम (01 क्विंटल 29 किलो) अवैध गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित बाजार कीमत करीब 65 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि फरह कस्बे के मोहल्ला चटसाल में स्थित एक मकान के ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखा गया है। इस सूचना पर रिफाइनरी सीओ प्रवीण तिवारी के नेतृत्व में थाना फरह पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से संजय उर्फ बंशी (45 वर्ष) निवासी मोहल्ला चटसाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने साथी बंटी उर्फ बल्लू के साथ मिलकर लंबे समय से गांजे की खरीद-फरोख्त का अवैध कारोबार कर रहा था।

पुलिस ने संजय को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि फरार साथी बंटी उर्फ बल्लू की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना फरह में सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

बरामद गांजे के स्रोत और इसकी सप्लाई चेन को लेकर गहन जांच की जा रही है। मथुरा पुलिस का कहना है कि जनपद में नशे के अवैध कारोबार को पूरी तरह समाप्त करने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

इस सफल ऑपरेशन में रिफाइनरी सीओ प्रवीण तिवारी, थाना फरह के निरीक्षक मनोज कुमार, एसटीएफ आगरा के प्रभारी रजनीश चौधरी सहित थाना फरह और एसटीएफ की एक बड़ी पुलिस टीम शामिल रही।

गोपाल बने रामलीला महोत्सव के अध्यक्ष, अरविंद महामंत्री

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज। वर्ष 2026-27 रामलीला महोत्सव के अध्यक्ष और महामंत्री के लिए सर्वसम्मति से चुनाव हुआ। जिसमें अध्यक्ष गोपाल मराठा एवं अरविंद वार्ष्णेय वार्ष्णेय महामंत्री बनाए गए। मुख्य चुनाव अधिकारी सहित तीन सदस्यीय चुनाव समिति ने इसकी विधिवत घोषणा की। नए पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

चुनाव समिति के योगेश चंद्र गौडए गोपाल माहेश्वरी एवं अखिलेश अग्रवाल ने बताया कि चुनाव समिति के समक्ष पांच लोगों द्वारा अपने नामांकन प्रस्तुत किए गए थे जिनमें से तीन लोगों द्वारा अपनी सकारात्मक सोच के साथ अपने नाम वापस ले लिए थे। गोपाल मराठा एवं अरविंद वार्ष्णेय के नाम शेष रहे थे। सोमवार को शेष रहे दोनों लोगों के बीच सहमति बनाने के लिए चुनाव समितिए एवं रामलीला कमेटी की बैठक हुई जिसमें दोनों लोगों के बीच शहर के संभ्रांत नागरिकों के प्रयास के बाद सहमति बनी।

जानकीबाई गर्ल्स इंटर कॉलेज में भव्य नवनिर्मित कक्षा का हुआ लोकार्पण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जानकीबाई गर्ल्स इंटर कॉलेज में छात्राओं के अध्ययन हेतु एक भव्य कक्षा का निर्माण कराकर उसका गुरुवार लोकार्पण किया गया। यह लोकार्पण श्रीमाथुर चतुर्वेद परिषद एवं अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनीता महेश पाठक, कॉलेज के प्रबंधक के.के. अरोड़ा (एडवोकेट) तथा प्राचार्या अनीता गौतम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान से पूजन के साथ हुई। पूजन के उपरांत मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने कहा, ष्यह विद्यालय चतुर्वेदी समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है। समाज की अनेकों बेटियों ने यहाँ से शिक्षा प्राप्त की है, जिनमें मेरी धर्मपत्नी भी शामिल हैं। ऐसी अनेक बालिकाएं हैं जिन्होंने यहाँ से शिक्षा पाकर समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में इस कॉलेज की दशा को सुधारने का संकल्प हमारे द्वारा लिया गया है। इसी कड़ी में पूर्व में भी एक भवन का लोकार्पण किया गया था, आज दूसरे भवन का लोकार्पण हुआ है और अगले वर्ष तक एक और नए भवन का निर्माण कराने की घोषणा भी की गई है। पंडित बल्लभ द्वारा कराए गए इस वैदिक पूजन के अवसर पर कॉलेज के समस्त शिक्षक, कर्मचारी और परिषद के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नवीन नागर, गिरधारी लाल पाठक, शिवकुमार चतुर्वेदी (एडवोकेट), राकेश तिवारी (एडवोकेट), कमल चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी, नीरज चतुर्वेदी (मंत्री), संजय चतुर्वेदी (मंत्री), हरदेव चतुर्वेदी, नवनीत चतुर्वेदी और मनोहर लाल, ए टी वी कंपनी की तरफ से अरुण कुमार शर्मा सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए प्रबंधक के.के. अरोड़ा ने कहा कि यदि समाज के सभी प्रबुद्ध लोग इसी तरह सहयोग करते रहें, तो यह स्कूल निश्चित ही एक आदर्श और उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान बनेगा।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान का हुआ शुभारंभ

- शहर में निकली गई जन जनजागरूकता रैली, किया गया जागरूक
- सदर विधायक ने हरी झंडी दिखा कर किया रैली का शुभारंभ

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

बुधवार को माह जुलाई में संचालित किये जाने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ हुआ। शहर में जनजागरूकता रैली निकली गई। रैली का शुभारंभ विधायक सदर देवेन्द्र सिंह राजपूत ने हरी झंडी दिखाकर किया।

सदर विधायक देवेन्द्र राजपूत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग अभियान के दौरान शासन स्तर से दिये निर्देशों के अनुसार अन्य विभागों से समन्वय कर अभियान को चलाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अपना संबोधन करते हुए कहा कि आशायें अभियान के दौरान आंगनवाडी कार्यकत्रियों के साथ समन्वय से कार्य करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा विभागीय अधिकारियों से वार्ताकर अवगत कराया कि नगर विकास विभाग नगरीय क्षेत्रों में पंचायत विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई, मच्छरों की दवा का छिड़काव, फॉगिंग की कार्यवाही नियमित करायें। शिक्षा विभाग स्कूल रैली निकाल कर जनमानस में संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु जागरूकता लायें एवं अन्य सभी विभाग अपने-अपने विभाग से संबंधित गतिविधियां नियमित संपादित करायें। जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा जनमानस से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति बुखार से ग्रसित हो तो वह तत्काल नजदीकी सरकारी चिकित्सालय में जांच कराकर निःशुल्क उपचार प्राप्त करेंए जनपद की समस्त चिकित्सा इकाईयों पर पर्याप्त मात्रा में जांचे एवं दवायें उपलब्ध हैं।

सूतमिल से भूकरावली तक सड़क किनारे ट्रक खड़े करना प्रतिबंधित- ट्रैफिक सुधार को नगर आयुक्त की बड़ी पहल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़।

शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने सूतमिल से भूकरावली तक जीटी रोड के किनारे ट्रकों के बेतरतीब खड़े होने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने गुरुवार को स्वयं वार्ड 34 स्थित सूतमिल, खैर बाईपास, भूकरावली जीटी रोड आदि क्षेत्र का निरीक्षण किया।

नगर आयुक्त ने मौके पर सूतमिल जीटी रोड के सड़क एवं फुटपाथ पर अवैध रूप से खड़े ट्रकों के चालकों को स्पष्ट कहा अलीगढ़ में ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित है, सभी ट्रक चालक ट्रांसपोर्ट नगर में ही अपनी गतिविधियों को संपादित करें-नगरीय क्षेत्र में सड़क फुटपाथ व सार्वजनिक स्थल पर ट्रक खड़े करके यातायात बाधित करने की अनुमति नही है किसी भी दशा में सड़क फुटपाथ व सार्वजनिक स्थल पर खड़े होने वाले ट्रकों पर नगर निगम सख़्त रुख अपनाएगा।

नगर आयुक्त ने जीटी रोड पुलिस चौकी के पास फुटपाथ पर खड़े ट्रक के विरुद्ध अभियान चलाते हुए मौके पर ही 12 ट्रक चालकों को नोटिस जारी कराए।

नगर आयुक्त ने कहा कि सूतमिल शहर का प्रमुख प्रवेश द्वार है यहां सड़क किनारे ट्रकों के लंबे समय तक खड़े रहने से प्रतिदिन भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे आम नागरिकों, स्कूली बच्चों, मरीजों तथा अन्य वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त सड़क एवं फुटपाथ पर अवैध पार्किंग यातायात सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बनती है।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने ट्रक चालकों एवं संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में कोई भी ट्रक सूतमिल से भूकरावली तक सड़क अथवा फुटपाथ पर खड़ा नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल यातायात व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण का मामला भी है, जिसके विरुद्ध नगर निगम कठोर कार्रवाई करेगा।

नगर निगम के प्रवर्तन प्रभारी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में लगभग 12 ट्रक चालकों को नोटिस जारी करते हुए चेतावनी दी गई कि दोबारा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आर्थिक दंड, अतिक्रमण जब्ती तथा संबंधित ट्रक को सीज करने की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सूतमिल से भूकरावली तक सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े ट्रकों के कारण प्रतिदिन जाम की समस्या उत्पन्न होती है जिससे हजारों नागरिक प्रभावित होते हैं। सार्वजनिक सड़क और फुटपाथ किसी भी प्रकार की अवैध पार्किंग या अतिक्रमण के लिए नहीं हैं। नगर निगम ऐसे मामलों में जीरो टोरलेन्स की नीति पर कार्य करेगा। उन्होंने कहा आज 12 ट्रक चालकों को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई है। भविष्य में यदि कोई भी ट्रक सड़क या फुटपाथ पर खड़ा पाया जाता है तो संबंधित वाहन के विरुद्ध जुमार्ना, अतिक्रमण की जब्ती तथा ट्रक को सीज करने जैसी कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा अलीगढ़ शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अलीगढ़ में अब ट्रांसपोर्ट नगर है सभी ट्रक चालकों को अपनी गतिविधियों को ट्रांसपोर्ट नगर में ही संपादित करने के लिए नोटिस के जरिये सचेत किया गया है।

टेट में शामिल होने वाले शिक्षकों का विशेष अवकाश घोषित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

2 से 4 जुलाई तक उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारी संख्या में शिक्षक भी सम्मिलित हो रहे हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास कुमार सिंह ने इस परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष अवकाश स्वीकृत कर दिया है। जिससे शिक्षकों में खुशी की लहर है और विभिन्न सोशल प्लेटफार्म पर इस पत्र की सराहना की जा रही है। शिक्षक नेताओं का कहना है कि इस प्रकार का पत्र उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मात्र जनपद कासगंज का जारी हुआ है जिसमें शिक्षकों का विशेष अवकाश स्वीकृत करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कर परीक्षा में शामिल होने का पत्र निर्गत किया गया है। विभिन्न सोशल मीडिया माध्यम पर आभार व्यक्त करने वालों में प्रदीप यादव, रतन प्रकाश, वीरेंद्र गौतम, अंकित पुंडीर सहित सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल रहे।

सेंट्रल कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस हुई शहर की 64000 स्ट्रीट लाइट-महापौर व नगर आयुक्त ने बटन दबाकर 64000 स्ट्रीट लाइट्स के ऑटोमेशन का किया उद्घाटन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़।

महापौर प्रशांत सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के प्रयासों से अब नगरीय क्षेत्र की सभी स्ट्रीट लाइट का ऑटोमेशन हो गया है साथ ही सभी स्ट्रीट लाइट की कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से 24×7 निगरानी होना शुरू हो गयी है।

शहर की सड़कों को रोशन व सुरक्षित बनाने की दिशा में लगभग 37 करोड़ की लागत से नगर निगम अपने जोन-01, 02, 03 एवं 04 की 64000 एलईडी स्ट्रीट लाइटों के स्वचालन, संचालन एवं रख-रखाव (ऑटोमेशन) साथ कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर स्थिति आईसीसीसी मोनिटरिंग व्यवस्था का गुरुवार सांय महापौर प्रशान्त सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने पार्षदो/अधिकारियों व कर्मचारियों की मौजूदगी में उद्घाटन किया।

उद्घाटन करते हुए नगर आयुक्त ने कार्यदाई एजेंसी को दो टूक शब्दों में नसीहत देते हुए कहा प्रतिदिन शहर की सभी खराब लाइट की सूची के आधार पर अगले 6 से 8 घंटे में अनिवार्य स्ट्रीट लाइट को ठीक करना होगा। उन्होंने कहा खराब स्ट्रीट लाइट की सूचना शहरवासी कंट्रोल रूम नम्बर 1533 व अलीगढ़ नगर सेवा एप के जरिये नगर निगम को भेज सकते है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि घर बैठे स्ट्रीट लाइट के खराब होने की शिकायत को इस एप की मदद से नगर निगम तक पहुंचाया जा सकता है। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से https://play.google.com/store/apps/detailsnid=com.everything-civic.aligarh डाउनलोड किया जा सकता है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया ऑटोमेशन व्यवस्था से शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर निगम सीमा क्षेत्र की सभी 46,194 स्ट्रीट लाइटों का ऑटोमेशन एवं समग्र अनुरक्षण कार्य प्रारंभ किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत 1,432 सीसीएमएस स्थापित कर संपूर्ण स्ट्रीट लाइट नेटवर्क को इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा गया है जिससे शहर की प्रत्येक स्ट्रीट लाइट की ऑनलाइन क्छउउ से निगरानी संभव होगी।

नगर आयुक्त ने बताया कि परियोजना के तहत लगभग 450 किलोमीटर केबल कॉरिडोर विकसित किया गया है। ऑटोमेशन के माध्यम से स्ट्रीट लाइटें सूर्यास्त के समय स्वतः चालू एवं सूर्योदय पर स्वतः बंद होंगी, जिससे ऊर्जा की बचत होगी तथा मैन्युअल संचालन की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। ICCC पोर्टल पर खराब अथवा बंद स्ट्रीट लाइटों की वास्तविक समय में जानकारी उपलब्ध रहेगी और उनकी रिपोर्टिंग एवं मॉनिटरिंग भी ऑनलाइन की जाएगी।

बंदरों के आतंक से 15 फीट की ऊंचाई से गिरी किशोरी, दर्दनाक मौत

मथुरा। धर्मनगरी वृंदावन के संत कॉलोनी इलाके में बंदरों के आतंक के कारण एक 13 वर्षीय मासूम बच्ची की जान चली गई। पहली मंजिल पर स्थित मकान की खिड़की से बंदरों को खाना खिलाते समय संतुलन बिगड़ने से बच्ची 15 फीट नीचे सड़क पर आ गिरी। सिर में गंभीर चोट आने के कारण उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बांके बिहारी पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत संत कॉलोनी में अनिल पांडे अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहते हैं। उन्होंने अयोध्या की रहने वाली 13 वर्षीय पूर्वा को गोद लिया हुआ था। हादसे के वक्त बच्ची घर पर अपने छोटे भाई के साथ अकेली थी। माता-पिता परिक्रमा मार्ग में ठेला लगाने गए हुए थे।

मथुरा में 70 स्कूली वाहनों के परमिट समाप्त, 76 अनफिट

इंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टल की समीक्षा ने किया खुलासा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- स्कूली बच्चों के सुरक्षित सफर के लिए परिवहन विभाग चलाएगा मिशन सेफ फ्यूचर

परिवहन विभाग के डेटाबेस और शइंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टलश की समीक्षा के दौरान चौंकाने वाली जानकारी मिली है। जनपद में विभिन्न विद्यालयों के 70 स्कूली वाहनों के परमिट समाप्त हो चुके हैं। जबकि 76 स्कूली वाहनों की फिटनेस की अवधि समाप्त हो चुकी है। वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजेश राजपूत ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश शासन और परिवहन आयुक्त कार्यालय के निदेर्शानुसार बुधवार से जनपद मथुरा में स्कूली बच्चों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए मिशन सेफ फ्यूचरष अभियान का आगाज हो गया है। इस अभियान के तहत बिना फिटनेसए बिना परमिट और निर्धारित सुरक्षा मानकों की अवहेलना करने वाले स्कूली वाहनों पर बेहद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ए०आर०टी०ओ० (प्रवर्तन) राजेश राजपूत ने जनपद के समस्त स्कूल संचालकोंध्प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि परिवहन विभाग के डेटाबेस और 'इंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टल' की समीक्षा के दौरान यह पाया गया है कि जनपद के विभिन्न विद्यालयों के 70 स्कूली वाहनों के परमिट समाप्त हो चुके हैं तथा 76 स्कूली वाहनों की फिटनेस की अवधि समाप्त हो चुकी है। समस्त स्कूल प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को सचेत किया जाता है कि वे जुलाई के प्रथम सप्ताह (7 जुलाई 2026) तक अनिवार्य रूप से अपने इन सभी डिफॉल्टर वाहनों के प्रपत्र (फिटनेस, परमिट, टैक्स, बीमा आदि) शत-प्रतिशत पूर्ण करा लें। यदि निर्धारित अवधि के भीतर वाहनों के प्रपत्र वैध नहीं पाए गएए तो 8 जुलाई से 15 जुलाई के बीच चलने वाले सघन चेकिंग अभियान में ऐसे वाहनों को तत्काल निरुद्ध और चालान करने की कार्यवाही की जाएगी। बार.बार सचेत करने के बावजूद यदि कोई विद्यालय बिना परमिट और बिना फिटनेस के अवैध रूप से स्कूली बच्चों का परिवहन करता पाया गयाए तो संबंधित स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध एफ०आई०आर० दर्ज कराने के साथ.साथ विद्यालय की मान्यता निरस्त करने की संस्तुति शिक्षा विभाग को भेज दी जाएगी।

ए0आर0टी0ओ0 राजेश राजपूत ने छात्र-छात्राओं के माता.पिता और अभिभावकों से अपील की है कि अपने बच्चों को वाहन से स्कूल भेजने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि जिस वाहन से उनका बच्चा स्कूल जा रहा हैए उसके पास वैध फिटनेसए परमिट और इंश्योरेंस मौजूद है या नहींए गाड़ी के टायरए खिड़कीए गेट के लॉक और ओवरलोडिंग ;क्षमता से अधिक बच्चे बैठनाद्ध की स्थिति को खुद अपनी आंखों से देखकर ही बच्चे को वाहन में बिठाएं। किसी भी अनफिट या डग्गामार निजी वाहन में बच्चों को न भेजें। यदि कोई वाहन असुरक्षित दिखेए तो तुरंत इसकी शिकायत स्कूल प्रबंधन और परिवहन विभाग से करें। परिवहन विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी प्रत्येक स्कूल में जाकर स्वयं स्कूली वाहनों की वस्तुस्थिति का भौतिक सत्यापन करेंगे। इस अभियान में पुलिसए यातायात पुलिस और शिक्षा विभाग का भी पूर्ण समन्वय रहेगा।

वृद्ध साध्वी की हत्या कर मकान हड़पने वाले गिरोह का पदार्फाश, एक और आरोपी गिरफ्तार

मथुरा।

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में थाना वृंदावन पुलिस ने एक बेहद सनसनीखेज मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने एक वृद्ध साध्वी की हत्या कर उनके मकान के फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैनामा (बिक्री) कराने वाले गिरोह के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, मृतिका कुछ समय पूर्व रहस्यमय तरीके से गायब हो गई थी, जिसकी कोई सूचना नहीं मिल रही थी। इस मामले में महंत लाड़ली दास ने उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी कि साध्वी की हत्या कर उनके मकान को बेच दिया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) द्वारा की गई जांच के बाद हत्या, धोखाधड़ी और साक्ष्य मिटाने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपी अभिषेक ने पूछताछ में खुलासा किया कि उस पर जिम का कर्ज था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर साध्वी चंद्रमुखी देवी की हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए उनके शव का के.सी. घाट, वृंदावन पर अंतिम संस्कार कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने साध्वी के घर का ताला तोड़कर मकान के मूल दस्तावेज और आधार कार्ड, पैन कार्ड व वोटर आईडी कार्ड चोरी कर लिए। इतना ही नहीं, उन्होंने मृतिका का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र और वसीयत बनवाकर उनके मकान को अपना बताकर बेच दिया।

थाना वृंदावन पुलिस ने आज दोपहर कात्यायनी मंदिर बिजली घर तिराहे के पास से आरोपी राहुल (30 वर्ष), निवासी गोरानगर कॉलोनी, वृंदावन को गिरफ्तार किया है। राहुल इस मामले में वांछित था। इस मामले में पुलिस अब तक मुख्य आरोपियों सहित अभिषेक, विजय सिंह, वकील मोहम्मद, मोहम्मद आरिफ, ओमकार सिंह, विकास, अशोक और सतेन्द्र शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

इस सराहनीय कार्य को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पाण्डेय, निरीक्षक (अपराध) धर्मेन्द्र कुमार और हेड कांस्टेबल जिनेन्द्र शामिल रहे।

श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी टीम इंडिया

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के लिहाज से भारतीय टीम के लिए ये सीरीज अहम

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय टीम अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की तारीखों का एलान हो चुका है। पहला गॉल में 15 से 19 अगस्त को खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त को सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के लिहाज से भारतीय टीम के लिए अहम सीरीज है।

भारतीय टीम ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेला था और जीता था। हाल फिलहाल में भारत का टेस्ट में रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। इसी वजह से टीम विश्व टेस्ट चैंपियशिप अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। वहीं, श्रीलंका की टीम भारत से एक स्थान नीचे छठे स्थान पर है। भारत को 2027 में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिए अपने बाकी बचे टेस्ट मैचों में से अधिकतर मैच जीतने जरूरी हैं।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025-27 अंकतालिका

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	टाई	नो रिजल्ट	अंक	जीत प्रतिशत (PCT)
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	0	0	84	87.50
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	0	0	36	75.00
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	0	1	0	52	72.22
4	बांग्लादेश	4	2	1	0	1	0	28	58.33
5	भारत	9	4	4	0	1	0	52	48.15
6	श्रीलंका	3	1	1	0	1	0	16	44.44
7	इंग्लैंड	13	4	8	0	1	0	38	24.36
8	वेस्टइंडीज	9	1	7	0	1	0	16	14.81
9	पाकिस्तान	4	1	3	0	0	0	4	8.33

भारत 2017 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगा। इससे पहले दोनों क्रिकेट बोर्ड इस दौरे में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी जोड़ने की संभावना पर चर्चा कर चुके थे।

हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट (रछउ) की ओर से जारी आधिकारिक मीडिया विज्ञप्ति में टी20 सीरीज का कोई जिक्र नहीं किया गया। ऐसे में फिलहाल केवल दो टेस्ट मैचों की सीरीज ही तय मानी जा रही है।

भारत बनाम श्रीलंका हेड टू हेड

दोनों टीमें अब तक 46 टेस्ट में आमने-सामने आ चुकी हैं। इसमें से भारत ने 22 टेस्ट जीते हैं, जबकि सात टेस्ट में जीत मिली है। 17 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत 2017 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगा। इससे पहले दोनों क्रिकेट बोर्ड इस दौरे में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी जोड़ने की संभावना पर चर्चा कर चुके थे।

हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट की ओर से जारी आधिकारिक मीडिया विज्ञप्ति में टी20 सीरीज का कोई जिक्र नहीं किया गया। ऐसे में फिलहाल केवल दो टेस्ट मैचों की सीरीज ही तय मानी जा रही है।

दोनों टीमें पिछली बार इस प्रारूप में 2021/22 में आमने-सामने आई थीं। तब भारत ने श्रीलंका को 2-0 से हराया था। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ पिछली लगातार पांच टेस्ट सीरीज जीती हैं। ऐसे में टीम इंडिया की नजर जीत का पंजा लगाने की होगी।

फीफा वर्ल्ड कप: दुखद घटना में बदला मेक्सिको की जीत का जश्न, दम घुटने से तीन फैंस की मौत

मेक्सिको सिटी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में इक्वाडोर पर सह-मेजबान मेक्सिको ने 2-0 से जीत दर्ज करते हुए 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई, लेकिन खुशी और जश्न का माहौल कुछ देर बाद दुखद घटना में बदल गया। जश्न के दौरान मेक्सिको की राजधानी के डाउनटाउन इलाके में दम घुटने से तीन लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि शहर के मशहूर 'एंजेल ऑफ इंडिपेंडेंस' स्मारक के पास सड़कों पर दो महिलाएं और एक पुरुष अचेत अवस्था में पाए गए। यहां मंगलवार देर रात हजारों लोग राउंड ऑफ 32 मैच में मेक्सिको की जीत का जश्न मनाने के लिए जमा हुए थे। 'एबीसीन्यूजडॉटकॉम' की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको सिटी के स्वास्थ्य सचिवालय ने सोशल प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि जिन लोगों की मौत हुई, उनकी उम्र 48, 44 और 19 साल थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अधिकारियों ने मौतों के हालात के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

मेक्सिको सिटी की मेयर क्लारा ब्रुगाडा ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि तीन लोगों के बेहोश होने की खबर मिलने के बाद इमरजेंसी टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मेयर ने पोस्ट के जरिए बताया, "मेक्सिको सिटी की इमरजेंसी टीमों ने 'पासेओ डे ला रिफॉर्मा' के पास अलग-अलग स्थानों पर तीन लोगों के बेहोश होने की खबर पर तुरंत कार्रवाई की गई।

एलए नाइट राइडर्स स्टेडियम का उद्घाटन

जय शाह ने क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी के लिए 'एक अहम पड़ाव' बताया

एजेंसी, लॉस एंजिल्स।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने लॉस एंजिल्स में एलए नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड के उद्घाटन को क्रिकेट के वैश्विक विस्तार में एक अहम कदम बताया है। शाह ने इसे ओलंपिक गेम्स में इस खेल की वापसी के लिए 'एक अहम पड़ाव' करार दिया है। नाइट राइडर्स ग्रुप की तरफ से बनाए गए इस अत्याधुनिक स्टेडियम में बुधवार को पहला मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) मैच खेला गया, जिसमें लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स का मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम से हुआ। इसके साथ ही यह फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का क्रिकेट स्टेडियम बनाने वाला पहला ग्लोबल क्रिकेट ब्रांड बन गया है। बॉलीवुड सुपरस्टार और नाइट राइडर्स ग्रुप के को-ओनर शाहरुख खान को बधाई देते हुए, जय शाह ने कहा कि यह पहल उभरते हुए मार्केट में क्रिकेट के विस्तार में अहम भूमिका निभाएगी।

शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "शाहरुख खान आपको बधाई। यह ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी की दिशा में एक अहम पड़ाव है, जो एलए नाइटराइडर्स, एलए28 और आईसीसी के सहयोग से संभव हुआ है।"

आईसीसी चेयरमैन ने कहा कि क्रिकेट का लगातार वैश्विक विकास इस खेल से जुड़े सभी लोगों की सामूहिक कोशिशों पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा, "दुनिया भर में क्रिकेट को आगे बढ़ाना एक सामूहिक प्रयास है। इस तरह की

पहल से फैंस और खिलाड़ियों के लिए नए इकोसिस्टम बनते हैं, जो इस विकास को बढ़ावा देते हैं। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं और आपके साथ आगे की यात्रा में शामिल होने का इंतजार कर रहा हूं।"

इससे पहले, शाहरुख खान ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाते हुए स्टेडियम के उद्घाटन को एक लंबे समय से देखे गए सपने के सच होने जैसा बताया था।

शाहरुख ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "जो एक सपने के तौर पर शुरू हुआ था। वह आज हकीकत बन गया है। एलए के नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड में आप सभी का स्वागत है। यह जगह सिर्फ खेल के लिए ही नहीं, बल्कि मनोरंजन और परिवारों के लिए भी बनाई गई है... और ऐसी यादों के लिए जो हमेशा बनी रहेंगी। जयभाई का खास शुक्रिया, जो इस सफर में बहुत मददगार रहे हैं; साथ ही आईसीसी और संजोग गुप्ता का भी शुक्रिया, जिन्होंने इतना समर्थन किया। यह एलए, दुनियाभर के क्रिकेट फैंस और नाइट राइडर्स परिवार के लिए है। पर्पल और गोल्ड पर भरोसा रखें।

मनोरंजन

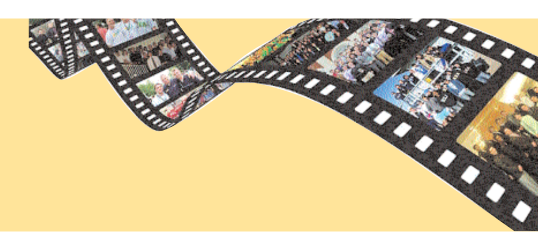

जब अमीषा पटेल के लिए 'डायरेक्टर' बन गए थे सनी देओल

एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने हाल ही में खुलासा किया कि फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' की शूटिंग के दौरान सनी देओल कई बार उनके लिए डायरेक्टर की भूमिका निभाने लगे थे। अमीषा पटेल हाल ही में इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

'सकीना' का किरदार निभाने में हो रही थी मुश्किल

अमीषा ने बताया कि जब वह फिल्म में नए कलाकार के तौर पर काम कर रही थीं, तब उन्हें कई इमोशनल सीन देने में काफी दिक्कत होती थी। ऐसे में डायरेक्टर अनिल शर्मा कई बार उनके बार-बार रीटेक लेने से परेशान हो जाते थे। उन्होंने बताया कि उस समय वह एक साथ 'गदर: एक प्रेम कथा' और 'कहो ना प्यार है' की शूटिंग कर रही थीं, जो उनके लिए काफी मुश्किल था। अमीषा ने कहा कि 'सकीना' का किरदार निभाने के लिए एक अनुभवी कलाकार जैसी समझ की जरूरत थी, और कई बार वह सीन के दौरान अटक जाती थीं।

जब सनी देओल बने डायरेक्टर

उन्होंने कहा, 'गदर में सकीना का किरदार ऐसा था जिसे निभाने के लिए बहुत अनुभव चाहिए था। कई बार मैं सेट पर अटक जाती थी और सही शॉट नहीं दे पाती थी। तब अनिल शर्मा जी गुस्सा हो जाते थे और बार-बार रीटेक लेते थे। लेकिन सनी जी बहुत धैर्य रखते थे। वो अनिल जी से कहते थे कि आप सेट से बाहर जाइए, और फिर खुद डायरेक्टर की तरह सीन संभाल लेते थे। उनके साथ वो शॉट एक ही टेक में ओके हो जाता था। उन्हें समझ आता था कि एक्टर कहां फंस रहा है, खासकर इमोशनल और एक्शन सीन में उन्होंने मेरा बहुत साथ दिया।'

सनी देओल और अमीषा की बॉन्डिंग

सनी देओल के साथ अपनी बॉन्डिंग को याद करते हुए अमीषा ने कहा, 'सनी जी वैसे तो बहुत शर्मिले हैं, लेकिन मेरे साथ काफी खुल गए थे। सेट पर लोग हैरान होते थे कि हमारी इतनी अच्छी बॉन्डिंग कैसे है। वो बहुत प्रोटेक्टिव थे। अगर मुझे कुछ होता, तो सबसे पहले वही आगे आते थे। मैं उस समय बिल्कुल नई थी और दोनों फिल्में साथ में कर रही थी, जो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थीं।'

बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन अनिल शर्मा ने किया था और यह बॉलीवुड की सबसे सफल फिल्मों में गिनी जाती है। फिल्म में सनी देओल, अमीषा पटेल, लिलेट दुबे और दिवंगत अमरीश पुरी ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म का सीक्वल 'गदर 2' साल 2023 में रिलीज हुआ था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की।

किम कार्दशियन के बेटे 'साल्म' का हॉलीवुड डेब्यू

अमेरिकी अभिनेत्री किम कार्दशियन ने अपने बेटे साल्म वेस्ट के हॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुशी जाहिर की है। साल्म 'द एंग्री बर्ड्स मूवी 3' में एक किरदार को अपनी आवाज दी है।

किम कार्दशियन के बेटे 'साल्म' का डेब्यू

अमेरिकी स्टार किम कार्दशियन के छोटे बेटे साल्म वेस्ट ने हॉलीवुड में कदम रख लिया हैं। वह आने वाली एनिमेटेड फिल्म 'द एंग्री बर्ड्स मूवी 3' में 'ओली' के किरदार को अपनी आवाज दी है।

किम कार्दशियन ने जताई खुशी

अपने शो 'द कार्दशियंस' के एक एपिसोड में किम ने बताया कि जब इस फिल्म के लिए उनके बेटे को चुना गया, तो वह बहुत खुश हुए। किम ने अपने बेटे के बारे में बात करते हुए कहा, 'साल्म बहुत ही समझदार और नटखट बच्चा है। उसकी आवाज बहुत प्यारी है। जब मेकर्स ने फोन करके पूछा कि क्या साल्म एक नए पक्षी के किरदार को आवाज देना चाहेंगे, तो वह बेहद उत्साहित हो गए।'

हाल ही में 1 जुलाई को पैरामाउंट पिक्चर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म 'द एंग्री बर्ड्स मूवी 3' का पहला ऑफिशियल ट्रेलर जारी किया है। जॉन राइस के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एसएस राजामौली को फ्रांस में मिला बड़ा सम्मान

'बाहुबली' और 'आरआरआर' जैसी सुपरहिट फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजामौली को फ्रांस में एक बड़ा सम्मान मिला है। उनका नाम प्रतिष्ठित 'वॉल ऑफ फिल्ममेकर्स' में शामिल किया गया।

राजामौली ने जाहिर की खुशी: राजामौली ने सोशल मीडिया पर इस खास पल को शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि उन्होंने म्यूजियम का दौरा किया और उसी स्क्रीनिंग रूम में गए, जहां उनकी फिल्में 'ईगा' और 'आरआरआर' हाउसफुल दर्शकों के साथ दिखाई गई थीं।

उन्होंने बताया कि इंस्टिट्यूट ल्यूमियर और कान्स फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर थिएरी फ्रेमो ने खुद उनका स्वागत किया और उन्हें सिनेमा के जन्मस्थान मानी जाने वाली उस ऐतिहासिक गली में लेकर गए। इस पूरे अनुभव ने उन्हें काफी भावुक कर दिया।

सादगी की मिसाल सांगठनिक निष्ठा की धनी और सेवा को समर्पित डॉ. सिमरन उपाध्याय

राजनैतिक वैभव के बीच सादगी की अनूठी मिसाल! जानिए क्यों डॉ सिमरन उपाध्याय के सरल व्यक्तित्व का हर कोई है मुरीद

संघ और विद्यार्थी परिषद के संस्कारों से सिंचित डॉ सिमरन उपाध्याय का संगठन से लेकर सेवा बस्तियों तक का पावन सफरनामा

सेवा बस्तियों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर और सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ डॉ सिमरन उपाध्याय की ऐतिहासिक स्वास्थ्य क्रांति

सिख और ब्राह्मण समाज के समन्वय की मजबूत कड़ी जानिए क्यों हर वर्ग के सुख दुख की सच्ची सारथी बनीं डॉ सिमरन उपाध्याय

राजनैतिक रसूख और ऊंचे प्रशासनिक ओहदों के बीच जब कोई व्यक्तित्व अपनी सहजता सादगी और निश्छल सेवा भाव को अक्षुण्ण बनाए रखता है तो वह समाज के लिए एक अनुपम प्रेरणा बन जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री की पुत्रवधू और एक अत्यंत प्रतिष्ठित राजनैतिक परिवार का हिस्सा होने के बाद भी डॉ सिमरन उपाध्याय के व्यवहार में अहंकार का तनिक भी लेश नहीं है। उनके सरल स्वभाव और अपनत्व की व्यवहार कुशलता का हर कोई मुरीद है। मूल रूप से मेरठ के वरिष्ठ एबीवीपी कार्यकर्ता सरदार मनमोहन सिंह वालिया के संस्कारों की छांव में पली बढ़ी डॉ सिमरन उपाध्याय का विवाह आगरा के डॉ वात्सल्य उपाध्याय के साथ हुआ। एक उच्च शिक्षित चिकित्सक होने के साथ ही बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस के विचारों और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पावन सांगठनिक पाठशाला से उनका बहुत ही गहरा और जीवंत नाता रहा है।

विद्यार्थी परिषद की प्रखर सिपाही और विभिन्न चुनावों में कुशल सांगठनिक कूटनीति

डॉ सिमरन उपाध्याय केवल नाम की ही कार्यकर्ता नहीं हैं बल्कि संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और सक्रियता बहुत ही अनुकरणीय है। वे लगभग छह वर्षों से विद्यार्थी परिषद में एक बेहद सक्रिय कार्यकर्ता के

सियासी सिरमौर

रूप में अपनी अमूल्य सेवाएं दे रही हैं और वर्तमान में वे एबीवीपी के मेडविजन आयाम की ब्रज प्रांत प्रमुख के रूप में एक बहुत बड़ी सांगठनिक जिम्मेदारी को संभाल रही हैं। वर्ष 2021 और 2022 के चुनावों में मंडल समन्वयक और चिकित्सक समन्वयक के रूप में अपनी राजनैतिक कुशलता का परिचय देने के बाद वर्ष 2024 के आम चुनावों में भी उन्होंने आगरा मंडल के सभी चिकित्सकों को एक मंच पर लाकर संगठन के विचार को बहुत मजबूत किया। प्रसिद्ध कार्यक्रम जाणता राजा महानाट्य के आगरा आयोजन में महिला प्रमुख के रूप में उनकी प्रबंधकीय क्षमता और बजरंग दल के साथ मिलकर नशा मुक्ति हेतु 2400 युवाओं के भव्य मैराथन का सफल संयोजन उनकी अद्भुत नेतृत्व क्षमता को बयां करता है।

डॉ. सिमरन उपाध्याय

सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य क्रांति और महिला उत्थान का भगीरथ संकल्प

डॉ सिमरन उपाध्याय ने समाज के वंचित तबके और विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य व कल्याण के लिए स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर रखा है। वे आयुष्मान सेवार्थ संस्था की अध्यक्ष के रूप में गांव और सेवा बस्तियों में अब तक 250 से अधिक निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का सफल आयोजन कर चुकी हैं जहाँ असहाय लोगों को मुफ्त दवाएं और जांच की सुविधाएं मिलती हैं। ब्रज प्रांत में महिलाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता और निःशुल्क वैक्सीनेशन का उनका महाअभियान पूरे क्षेत्र में सराहा गया है। इसके अलावा बच्चियों को सुरक्षित माहौल देने के लिए गुड टच बैड टच अभियान और महिलाओं के बीच सैनिटरी हाइजीन को लेकर वे निरंतर जमीनी स्तर पर सजगता बढ़ा रही हैं जिससे वे आज हर वर्ग की महिलाओं की सच्ची हमदर्द बनकर उभरी हैं।

सिख और ब्राह्मण समाज के बीच समन्वय की मजबूत कड़ी और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

एक प्रखर और सुशिक्षित महिला नेत्री के रूप में डॉ सिमरन उपाध्याय सिख समाज और ब्राह्मण समाज दोनों के बीच आपसी सद्भाव और समन्वय की एक बहुत ही मजबूत व सुंदर कड़ी हैं। आगरा के प्रमुख गुरुद्वारा गुरु का ताल की कोर कमेटी की सम्मानित सदस्य हैं और पंजाबी व सिख समाज के प्रशासनिक व सामाजिक निर्णयों में अपनी प्रमुख भूमिका निभाती हैं। हर वर्ष प्रकाश पर्व पर विशाल जुलूस का आयोजन और आगरा में पहली बार इंटरनेशनल टर्बन डे का ऐतिहासिक आयोजन कराना उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अनुपम उदाहरण है। इसके साथ ही समर्थ गुरु रामदास व शिवराय प्रतिष्ठान के माध्यम से हर साल 17 अगस्त को गरुण झेप मुहिम के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज के सेनापतियों के वंशजों के साथ आगरा से रायगढ़ तक मशाल यात्रा और लाल किले में वीर शिवाजी की गाथा की नाट्य प्रस्तुति कराना उनके जीवन के महान सांस्कृतिक और राष्ट्रीय संकल्पों को सिद्ध करता है।

नोट- सियासी सूरमा कॉलम में हम उन व्यक्तित्वों की कहानी प्रकाशित करते हैं जिनके पास 10 सालों का सक्रिय राजनीतिक अनुभव है और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा है। अगर आप भी खुद को मानते हैं सियासी सूरमा, तो अपनी कहानी हमें हमारे व्हाट्सएप नबंर 9412359817 पर भेजें।